दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 79
कोटद्वार शुक्रवार
14 जुलाई 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से अस्पताल में मुलाकात करते हुए।

महाराज ने केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का हालचाल जाना

देहरादून/दिल्ली : प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने चाणक्यपुरी, नई दिल्ली स्थित प्राइमस अस्पताल पहुँच कर वहां स्वास्थ्य लाभ ले रहे केंद्रीय पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह का हाल-चाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ्य लाभ की कामना की। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने गुरुवार को चाणक्यपुरी, नई दिल्ली स्थित प्राइमस अस्पताल में घुटनों की सफल सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे केंद्रीय पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह से भेंट कर उनका हाल-चाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना की। इस दौरान श्री महाराज ने उनसे पंचायतों के सशक्तिकरण के साथ-साथ जिला पंचायत एवं क्षेत्र पंचायत प्रमुखों के प्रत्यक्ष चुनाव के संदर्भ में भी चर्चा की।

खनन की भेंट चढ़ा मालन पुल, सैकड़ों गांवों का बाजार से कटा संपर्क

वर्ष 2017 से 2021 में रीवर ट्रेनिंग के नाम पर नदियों में हुआ था अवैध खनन, घटना के समय मालन पुल पर खड़े तीन युवकों में से एक युवक हुआ गायब

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वर्ष 2017 से 2021 तक रीवर ट्रेनिंग के नाम पर क्षेत्र की नदियों में हुए अवैध खनन की भेंट मालन पुल भी चढ़ गया है। गुरुवार सुबह उफान पर आई नदी से पुल का पिल्लर धराशायी हो गया। जिस समय पुल ढहा उस समय पुल पर तीन युवक भी खड़े थे, जिसमें से एक युवक लापता है। जबकि, घायल दो युवकों को राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में भर्ती करवाया गया है। वर्ष 2010 में 1235 लाख की लागत से मालन नदी पर पुल का निर्माण करवाया गया था। इससे क्षेत्रवासियों को आवाजाही की बेहतर सुविधा उपलब्ध हुई। लेकिन, गुरुवार सुबह अचानक पुल का एक पिल्लर ढह गया और पुल नदी की भेंट चढ़ गया। जिस समय पुल ढहा उस समय लोक निर्माण विभाग की जेसीबी नदी में उतरकर पानी का रूख बदलने में जुटी हुई थी। पुल ढहने की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। प्रशासन व पुलिस टीम ने पुल के दोनों ओर आवाजाही को बंद करवाया। उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता डीपी सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने वन विभाग के खिलाफ भी आक्रोश व्यक्त किया। कहा कि रीवर ट्रेनिंग के नाम पर मालन नदी में अवैध खनन हो रहा था। जिसका खामियाजा अब जनता को भुगतना पड़ रहा है। पुल ढहने से आवागमन पूरी तरह से ठप है। भाबर क्षेत्र के सैकड़ों गांवों का बाजार से संपर्क टूट गया।

पुल टूटने से नदी में बहा युवक

कोटद्वार में मालन पुल के टूटने से हल्दूखाता मल्ला निवासी प्रशांत डबराल (40 वर्ष) पुत्र प्रकाश डबराल बह गया। उसके दो साथी हुकुम सिंह और रविंद्र ने पुल की रेलिंग पकड़कर किसी तरह जान बचाई। घायल अवस्था में दोनों को बेस अस्पताल में भर्ती किया गया है।

मालन नदी पर ढहा पुल का हिस्सा

वैली ब्रिज बनाने की तैयारी

मालन नदी पर बने पुल के धराशयी होने से तीन हजार की आबादी प्रभावित हो रही है। ऐसे में लोगों को आवाजाही के लिए अधिक परेशान न होना पड़े इसके लिए प्रशासन वैली ब्रिज बनाने की तैयारी कर रहा है। वैली ब्रिज न बनने तक लोगों के सामने लालपुर पुल से आवाजाही का विकल्प भी है। इस दौरान जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान व विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने भी स्थलीय निरीक्षण किया।

राहत कार्यों के लिए पर्याप्त बजट, नहीं होगी संसाधनों की कमी : सीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय स्थित आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश में अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति और आपदा राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभागीय सचिव अपने-अपने विभागों से संबंधित व्यवस्थाएं देखें और अपने जिला स्तरीय अधिकारियों के निरंतर संपर्क में रहें। प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के साथ ही उनके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग से भी लगातार संपर्क में रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत कार्यों के लिए पर्याप्त बजट है। संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने और प्रभावितों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये सुनिश्चित कर लिया जाय कि प्रभावितों को रहने खाने एवं अन्य आवश्यक सामग्री की पूर्ण उपलब्धता हो। फूड पैकेट की पर्याप्त उपलब्धता रखी जाए। पेयजल के साथ ही बच्चों को दूध की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। आवश्यकता पड़ने पर हेलीकॉप्टर से भी खाद्य सामग्री भेजी जाए। जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी की निकासी जल्द की जाए। जल जनित रोगों से बचाव के लिए भी सभी आवश्यक व्यस्थाएं की जाय। सभी संबंधित विभाग प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन कर लें। बारिश से पेयजल, विद्युत, सड़क एवं अन्य व्यवस्थाएं जो प्रभावित हुए हैं, उन्हें शीघ्र सुचारू किया जाय। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ. एस. एस संधू, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव श्री आर मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, सचिव आपदा प्रबन्धन डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, विनय शंकर पांडेय सहित विभिन्न विभागों के सचिव, अपर सचिव एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

सभी सचिव अपने विभागों से संबंधित कार्य योजना बनाए और प्रभावी कार्यवाही करें

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आपदा राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करते हुए।

IHMS KOTDWAR
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
ISO 9001-2015 Certified
Institute of Hospitality, Management & Sciences
Admissions Open 2023
"Journey Towards Excellence"
AVAILABLE PROGRAMMES
M.B.A. 2 Years
FIRST AICTE APPROVED COLLEGE IN REGION
B.H.M. 4 Years
B.Sc. IT 3 Years
B.B.A. 3 Years
B.C.A. 3 Years
C.H.M. 1 Year
• Attractive Scholarships
• Industrial Tour
• Value Added Courses @ 0% cost
• Internship in Leading Companies
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

हरेला पर्व 17 जुलाई से 15 अगस्त तक, आपसी समन्वय से करें कार्य

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जनपद में हरेला पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने तथा इस पर्व पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला कार्यालय कक्ष में मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सीडीओ ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए व्यापक प्रचार-प्रसार करें।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में इस वर्ष हरेला पर्व ''जल संरक्षण एवं जल धाराओं का पुनर्जीवन'' की थीम पर मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम 17 जुलाई से 15 अगस्त तक संचालित किए जाएंगे, जिसमें सांसद, प्रभारी मंत्री, विधायकगण व अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा।

कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु मुख्य विकास अधिकारी ने व्हट्स एप पर हरेला ग्रुप बनाए जाने का सुझाव दिया ताकि आवश्यक समन्वय स्थापित किया जा सके। उन्होंने कहा कि हरेला पर्व के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों, विद्यालयी छात्रों, स्थानीय निकायों/संस्थाओं तथा जनमानस की सहभागिता से वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया जाएगा। इस दौरान संबंधित अधिकारी, स्थानीय निकायों/संस्थाओं, विद्यालयों, जनप्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को निःशुल्क पौध उपलब्ध कराएंगे।

छात्रों ने विवि कुलसचिव को सौंपा छः सूत्रीय मांग पत्र

टिहरी : पीजी कॉलेज नई टिहरी के छात्र संघ पदाधिकारियों ने श्रीदेव सुमन विवि कुलसचिव को छः सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। उन्होंने विवि प्रशासन से सभी मांगों पर जल्द उचित कार्यवाही की मांग की है।

गुरुवार को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी के छात्र संघ अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद के नेतृत्व में सत्यमेव जयते विचारधार से जुड़े छात्रों ने विवि कुलसचिव को सौंपे मांग पत्र में स्नातक, स्नातकोत्तर प्रथम एंव तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित जल्द करने, जंतु, रसायन,वनस्पति, भौतिक, राजनीति विज्ञान, गणित सहित अन्य विषय के छात्रों के परीक्षा परिणाम विवि वेबसाइड पर अपलोड करने की मांग की है। छात्र संघ अध्यक्ष ने कहा कि विवि प्रशासन से महाविद्यालयों में ऑफलाइन प्रवेश हेतु दिशा निर्देश जारी करने, बारिश के मध्यनजर मानव विज्ञान, वोकेशनल वाणिज्य संकाय, रक्षा अध्ययन की परीक्षाओं की आवेदन तिथि आगामी 20 जुलाई तक बढ़ाये जाने के साथ अन्य सभी मांगों के निस्तारण की मांग की है। मांग पत्र देने वालों में छात्र संघ सहसचिव शुभम पाल, विवि प्रतिनिधि विकास शाह, अमन पंत, मोहित राणा आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

भरपूर गदेरे का पानी रुकने से बनी झील, परिवारों सहित मंदिर व गुरुद्वारा को बना खतरा

टिहरी : देवप्रयाग के बागेश्वर गांव के निकट बने रेलवे के डंपिंग जोन में भरपूर गदेरे का पानी रुकने से करीब 90 मीटर की झील बन गयी। इसके चलते यहां रहने वाले परिवारों सहित शिवमूर्ति मन्दिर व गुरुद्वारा परिसर को खतरा बन गया। वहीं प्रशासन की ओर से झील का रूप ले चुके गदेरे के पानी की निकासी के लिए कवायद शुरू कर दी गयी है।

बीते दो दिनों से हो रही भारी बारिश से यहां राजमार्ग से होकर बहने वाला भरपूर गदेरा उफान पर आ गया। गंगा नदी में गिरने वाले इस गदेरे के आखिरी छोर पर रेलवे का डम्पिंग जोन बनाये जाने से इसका पानी वहीं रुक गया। जिसने पिछले दो दिनों में यहां झील का रूप ले लिया। नगर पालिका अध्यक्ष केके कोटियाल ने इसकी सूचना प्रशासन को दी, जिसके बाद तहसीलदार देवप्रयाग मानवेंद्र वर्तवाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि रेलवे व उसकी निर्माण एजेन्सी नवयुगा को झील का पानी तुरंत निकालने के यहां निर्देश दिये गए हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने जेसीबी व पोकलैंड मशीनों से यहां जल निकासी का रास्ता बनवाना शुरू करवाया है। वहीं उप महाप्रबन्धक रेलवे भूपेंद्र सिंह के अनुसार डंपिंग जोन से पानी की निकासी का काम शुरू हो चुका है। भविष्य में डंपिंग जोन को इस तरह डिजायन किया जायेगा, जिससे यहां झील नही बने। उन्होंने बताया अभी तक यहां डेढ़ लाख मीट्रिक टन मलबा डंप हो चुका है व भविष्य में ढाई लाख मीट्रिक टन तक और डंप किया जायेगा। मलबे के ऊपर गदेरे को पूर्ववत रूप दिया जायेगा। झील बनने से यहां रहने वाले रणवीर सिंह व बलवीर सिंह परिवार काफी दहशत में हैं। वहीं पूर्व उप प्रधान जय प्रकाश पंत का कहना है कि, ग्रामीणों ने रेलवे को गदेरे के आर-पार चैक डैम बनाकर डंपिंग जोन नही बनाने को कहा था मगर रेलवे ने किसकी की सुनी।

गीत—नृत्यों के साथ किया नवागंतुक छात्र छात्राओं का भव्य स्वागत

विकासनगर। दि इंडियन पब्लिक स्कूल राजावाला में विद्यालय सभागर में नये सत्र के छात्र—छात्राओं का धूमधाम से भव्य स्वागत किया गया। स्वागत में छात्र—छात्राओं ने सर्वप्रथम गणेश वंदना के साथ नृत्य गान से कार्यक्रम की शुरुवात की। जिसके बाद पर्यावरण की रक्षा के लिए नृत्य गान प्रस्तुत किया गया। कई समूह नृत्यों गानों से नवागंतुक छात्र—छात्राओं का स्वागत करने के साथ दर्शकों का मनमोह लिया।राजावाला स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल में नये सत्र के छात्र—छात्राओं स्वागत बड़ी धूमधाम से किया गया। जिसमें शिक्षकों ने भी अपने भजन और गीतों से स्वागत समारोह में चार चांद लगा दिए। विद्यालय के संगीत शिक्षक पुष्कर सिंह ने सूफी गीत प्रस्तुत किया। जिस पर विद्यालय में मौजूद सभी लोगों ने जमकर तालियां बजाई। छात्र—छात्राओं के द्वारा भी एक से एक बढ़कर नृत्य प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि पूर्व प्लेसमेंट डायरेक्टर प्रोफेसर रेणु मद्दू ने छात्र—छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छे वातावरण और अच्छे खान पान से ही अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण होता है।

नेपाल मूल के मजदूर ने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की

विकासनगर। गैस गोदाम त्यूणी के समीप किराये के मकान पर रह रहे नेपाली मूल के युवक ने अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा पोस्ट मार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है।

मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। नहीं आत्महत्या के कारणों का पता चल पाया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। गुरुवार को त्यूणी थाना पुलिस को एक व्यक्त के फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना मिली। जिस पर थानाध्यक्ष त्यूणी मय फोर्स मौके पर पहुंचे।

विधिक सेवा प्राधिकरण ने बच्चों को गुड टच बेड टच की जानकारी दी

विकासनगर। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से चलाए जा रहे पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत गुरुवार को पछुवादून में पौधरोपण किया गया। इसके साथ ही सहसपुर ब्लॉक के राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय गल्जवाड़ी में विधिक शिविर आयोजित कर छात्र—छात्राओं को कानून और गुड टच और बेड टच की जानकारी दी गई। इस शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सिविल जज सीनियर डिविजन हर्ष यादव ने ग्रामीण महिला पुरुषों को कानून की जानकारी दी।

उन्होंने विधिक सेवा प्राधिकरण के उद्देश्यों एवं एनडीपीएस अधिनियम के बारे में विस्तार से बताने के साथ ही एनआइ एक्ट व आबकारी अधिनियम के बारे में जानकारी दी।

प्राधिकरण द्वारा दिए जाने वाले निशुल्क विधिक सलाह एवं विधिक सहायता के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि कानूनी जानकारी होना बहुत जरुरी है, यह सबका अधिकार है। बाल विवाह, बाल श्रम को अपराध बताते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए कानून बनाया गया है। कानून का उल्लंघन करने वालों के लिए सजा का प्राविधान है। उन्होंने स्कूल परिसर के आसपास गुटखा, बीड़ी और नशीले पदार्थों की बिक्री को भी अवैध बताते हुए पुलिस को चेकिंग अभियान चलाकर चालान करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

गुरिल्ला संगठन ने पीआरडी, होमगार्ड में समायोजन और पेंशन देने की मांग

टिहरी : गुरिल्ला संगठन से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर डीएम दफ्तर के बाहर सांकेतिक प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार से पीआरडी, होमगार्ड में समायोजन की मांग के साथ पेंशन देने की मांग भी की। गुरुवार को गुरिल्ला जन जागरथ रथ यात्रा नई टिहरी पहुंची। गुरिल्ला कल्याण समिति के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मानंद डालाकोटी ने कहा कि गुरिल्ला प्रशिक्षितों ने अपनी मांगों को लेकर कई वर्षों तक आंदोलन किया, लेकिन उनकी मांगों का समाधान नहीं हो पाया। कहा कि वर्ष 2015 में एसएसबी की ओर से गुरिल्लाओं का भौतिक सत्यापन भी करावाया गया। केंद्र सरकार ने केंद्र सहायातित योजनओं में गुरिल्लाओं के समायोजन हेतु राज्य सरकारों को पत्र लिखा गया, लेकिन राज्य सरकारों ने गुरिल्लाओं की मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं की, जबकि गुरिल्लाओं से कम प्रशिक्षित लोगों को राज्य सरकार ने होमगार्ड और पीआरडी में भर्ती किया है, जिससे प्रशिक्षित गुरिल्लाओं में रोष व्याप्त है। बताया जनजागरण यात्रा के माध्यम से गुरिल्ला अपनी बात सरकार तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार से प्रशिक्षित गुरिल्लाओं का समायोजन पीआरडी, होमगार्ड में करने तथा बुजुर्गों हो चुके गुरिल्लाओं को पेंशन देने की मांग उठाई। उन्होंने डीएम के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भी प्रेषित किया।(एजेंसी)

आपदा से हो रहे नुकसान को रोकने के लिए मां काली की ली शरण

विकासनगर। प्रदेश भर में भारी बारिश और प्राकृतिक आपदा से हो रहे नुकसान को रोकने के लिए लोक पंचायत ने मां काली की शरण ली। काली माता मंदिर में लोक पंचायत के सदस्यों ने गुरुवार को हवन पूजन कर बरसात से हो रहे नुकसान को रोकने की मन्नत मांगी।

लोक पंचायत के सदस्य भारत चौहान ने कहा है कि प्रदेश में भारी बारिश और प्राकृतिक आपदा के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो रहा है, ऐसे में जब मनुष्य के सामने संकट उत्पन्न होता है तब हम देवता के शरण में जाते हैं।

राज्यपाल ने दून अस्पताल में कराया दांतों का इलाज, मंत्री और प्राचार्य को सराहा

देहरादून। राज्यपाल ले.ज. गुरमीत सिंह (सेनि) गुरुवार को दून अस्पताल पहुंचे। उन्होंने दंत रोग विभाग में दंत चिकित्सकों से अपना उपचार कराया। दांतों की क्राउनिंग एवं कैपिंग से संबंधित प्रोसिजर किया गया। एम्स से आए एक वरिष्ठ चिकित्सक एवं दून अस्पताल के डॉक्टरों ने यह प्रक्रिया की। अस्पताल में मौजूद स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत एवं निदेशक डा. आशुतोष सयाना से भी उन्होंने मुलाकात की। मंत्री को स्वास्थ्य चिंतन शिविर की मेजबानी एवं स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए और प्राचार्य डा. सयाना को मेडिकल कॉलेज में नशामुक्ति को कराए कार्यक्रम एवं अस्पताल में बेहतर व्यवस्थाओं के लिए सराहा। वह करीब एक घंटा यहां रहे। इस दौरान एमएस डा. युसुफ रिजवी, डीएमएस डा. धनंजय डोभाल, एचओडी डेंटल डा.अमित शाह, डा. प्रत्यक्ष पंवार, डा. देवाशीष सवाईं, डा. अंकुर जोशी, डा. कनिका शर्मा, डा. रामेश्वरी, सीपीआरओ महेंद्र भंडारी, एओ दीपक राणा, विनोद नैनवाल, दिनेश रावत, जसवंत रावत आदि मौजूद रहे।

जैन सन्यासी नंदी महाराज के हत्यारों को सजा दिलाने की मांग

विकासनगर। दिगंबर जैनाचार्य 108 श्री काम कुमार नंदी महाराज के अपहरण और निर्मम हत्या के विरोध में सागर चेतना प्रवाह न्यास ने तहसील प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और कर्नाटक सरकार को ज्ञापन प्रेषित कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। न्यास के अध्यक्ष विजय कुमार जैन ने बताया कि बीती 6 जुलाई को नंदी गिरी आश्रम, नंदी पर्वत, ग्राम हिरेकोड़ी, तालुका चिकोड़ी, जनपद बेलगांव (कर्नाटक) में प्रवास कर रहे जैनाचार्य 108 श्री काम कुमार नंदी महाराज की कुछ लोगों ने निर्मम हत्या कर दी। आरोपियों ने आश्रम में घुसकर आचार्य श्री के साथ मारपीट की और करंट लगाकर उनको भीषण यातनाएं देकर हत्या कर दी। ज्ञापन सौंपने वालों में आशीष जैन, अमर कुमार जैन, विभोर जैन, प्रदीप कुमार जैन, सचिन जैन, विनोद कुमार जैन, वैभव जैन, पूनम जैन, उषा जैन, शिवानी जैन, नीरज जैन, गौरव जैन, निखिल जैन और मयूर जैन आदि शामिल रहे।

चार माह पूर्व अपहृत किशोरी बरामद , अपहरण का आरोपी गिरफ्तार

विकासनगर। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से चार माह पूर्व अपहरण की गई किशोरी को पुलिस ने बरामद कर अपहरण, दुराचार व पोक्सो एक्ट के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। बीती 18 मार्च 2023 को कोतवाली क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी नाबालिग बेटी को चेतन पुत्र हेतराम निवासी मुकर्रमपुर अमरोह देहरात जिला ज्योतिफूले नगर यूपी बहला फुसलाकर भगा ले गया था। आरोप ने उसकी बेटी के साथ दुराचार किया है। जिस पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण, दुराचार व पोक्सों एक्ट में मुकदमा दर्ज किया। लेकिन अपहरण के बाद आरोपी के पुलिस के हत्थे नहीं चढ रहा था। जिस पर कोतवाल संजय कुमार ने चौकी प्रभारी डाकपत्थर अर्जुन सिंह गुसाईं के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरु कराई। जिस पर पुलिस की गठित टीम ने आरोपी के घर पर छापा मारकर अपहरण की गई किशोरी को बरामद करने के साथ ही आरोपी चेतन को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाल संजय कुमार ने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। बताया कि किशोरी को परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस टीम में एसआई अर्जुन सिंह गुसाईं के साथ महिला एसआई नीमा रावत व कांस्टेबल त्रेपनसिंह चौहान शामिल रहे।

मंत्री सुबोध उनियाल की अध्यक्षता में हुआ रायपुर में जनसुनवाई का आयोजन , 150 शिकायतें प्राप्त

देहरादून। माननीय प्रभारी मंत्री जनपद देहरादून श्री सुबोध उनियाल जी की अध्यक्षता में विकासखंड रायपुर में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में 150 शिकायतें प्राप्त हुई। जिनमें अधिकतर शिकायतें नगर निगम 31, लोनिवि की 24, विद्युत विभाग 20, वन विभाग की 8, जल निगम 08, सिंचाई 20, जल संस्थान 06, राजस्व 13, एमडीडीए 05, समाज कल्याण 04, नलकूप 03, बाल विकास 02, पशुपालन 01, पुलिस 01, वित्त 01, शिक्षा विभगा 03 लोक निर्माण विभाग से संबंधित प्राप्त हुई, इसके अतिरिक्त वन विभाग, समाज कल्याण, पशुपालन विभाग,वन, एमडीडीए आदि से संबंधित प्राप्त हुई।

माननीय मंत्री ने कहा कि जनसुनवाई कार्यक्रम का उद्देश्य व्यवस्थाओं को सरलीकरण कर समाधान करने का है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनमानस की समस्याओं को गंभीरता से लें और उनका समयबद्ध समाधान करें। उन्होंने कहा कि जनमानस की छोटी—छोटी समस्याएं होती है जिनका निस्तारण अधिकारी स्वयं अपने स्तर पर कर सकते हैं, तथा जिनका निस्तारण उच्चस्तर पर होना है ऐसी शिकायतें को अपने उच्चाधिकारियों के माध्यम से शासन को प्रेषित करें। उन्होंने अधिकारियों को जनमानस से नम्रता पूर्वक व्यवहार करने की अपेक्षा की। कहा कि अधिकारी सौहार्दपूर्ण माहौल में जनमानस की समस्याएं सुने तथा अपनी कार्य कुशलता का परिचय देते हुए समस्याओं का निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनमानस की समस्याओं को प्राथमिकता पर रखें ऐसा करने से जनमानस में अधिकारियों के साथ ही सरकार के प्रति विश्वास एवं सम्मान बढ़ता है। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनमानस की शिकायतों पर व्यवहारिकता का परिचय देते हुए प्राथमिकता से उसका निस्तारण करें। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की मॉनिटरिंग करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश जारी करें।जनसुनवाई विकासखंड रायपुर में धनराशि रू0 2.5 करोड़ की लागत से नव निर्मित पशु चिकित्सालय में तकनीकी कार्मिक तैनात न किए जाने की शिकायत पर माननीय मंत्री ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से जानकारी प्राप्त की जिस पर उन्होंने अवगत कराया कि चिकित्सालय में संविदा के माध्यम से कार्मिकों की तैनाती कर दी गई है। उन्होंने पेयजल से संबंधित शिकायतों पर कहा कि जनपद में 6 डिवीजन होने के बावजूद पेयजल सम्बंधी शिकायतें नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को पेयजल संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अपर राजीव नगर में सीवर संबंधी शिकायतों पर जल संस्थान को कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। लाडपुर में वार्ड नंबर 63 में पानी की शिकायतों पर तत्काल समाधान के निर्देश जल संस्थान के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में दिव्यांग पेंशन हेतु आए दिव्यांग युवकके आवेदन दिव्यांग पर माननीय मंत्री ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर माननीय क्षेत्रीय विधायक उमेश शर्मा काऊ ने माननीय मंत्री के रायपुर विकासखंड में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित करने पर आभार व्यक्त किया। कहा कि समस्याओं का यथाशीघ्र निस्तारण होगा।मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान ने माननीय प्रभारी मंत्री जनपद देहरादून तथा स्थानीय विधायक का आभार व्यक्त किया । उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाएगा।

जानकारी देते हुए बताया की माननीय प्रभारी मंत्री जी के जनपद में पूर्व में आयोजित किए गए जनसुनवाई कार्यक्रमों में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि माननीय मंत्री जी द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुपालन करते हुए समस्याओं का समयबद्धता से निस्तारण करें।

जनसुनवाई कार्यक्रम के उपरांत माननीय मंत्री जी ने क्षेत्रीय विधायक रायपुर के साथ मालदेवता के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र के साथ ही द्वारा खेरी गांव का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी एवं सचिव सिंचाई एवं सचिव आपदा प्रबन्धन को दूरभाष पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंनें अधिकारियों को क्षेत्र में संचालित निर्माण को गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जल भराव की स्थिति के प्रभावी रोकथाम के लिए फ्लड मैनेजमेंट प्लान तैयार करें : धामी

सीएम ने रेस्क्यू बोट एवं ट्रैक्टर पर बैठकर लिया स्थिति का जायजा, प्रभावितों का जाना हाल-चाल, मुख्यमंत्री ने किया लक्सर क्षेत्र के जल भराव वाले क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को जनपद हरिद्वार की तहसील लक्सर के विभिन्न क्षेत्रों लक्सर बजार मदारपुर, शाहपुर बस्ती, प्रहलादपुर, हस्तमौली में अतिवृष्टि एवं सोनाली नदी के कारण हुये जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों का रेस्क्यू बोट एवं ट्रैक्टर में बैठकर स्थलीय निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने प्रभावितों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने लक्सर क्षेत्र में सोनाली एवं अन्य नदियों से होने वाले जल भराव की स्थिति के प्रभावी रोकथाम के लिये फ्लड मैनेजमेंट प्लान तैयार करने, अधिकारियों को स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने और प्रभावितों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये सुनिश्चित कर लिया जाय कि प्रभावितों को रहने खाने एवं अन्य आवश्यक सामग्री की पूर्ण उपलब्धता हो। पेयजल के साथ ही बच्चों को दूध की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। जल भराव वाले क्षेत्रों से पानी की निकासी जल्द की जाए। जल जनित रोगों से बचाव के लिए भी सभी आवश्यक व्यस्थाएं की जाय। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि बारिश से पेयजल, विद्युत, सड़क एवं अन्य व्यवस्थाएं जो प्रभावित हुई हैं, उन्हें शीघ्र सुचारू किया जाय। प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के साथ ही उनके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। निरीक्षण के दौरान पूर्व विधायक लक्सर संजय गुप्ता, सचिव मुख्यमंत्री विनय शंकर पाण्डेय, जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन सहित संबंधित पदाधिकारी एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री लक्सर में जल प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए।

लैंसडौन व बैजरो क्षेत्र की 33 सड़कें बाधित

कोटद्वार : बारिश के बाद दुगड्डा, लैंसडौन और बैजरो की 33 सड़कों पर मलबा आने के कारण आवाजाही बाधित रही। जिससे इन मार्गों से जुड़े दर्जनों गांवों का सड़क संपर्क कट गया है। लोनिवि की ओर से जेसीबी मशीनें लगा बंद मार्गों को खोलने की कवायद शुरू कर दी गई है।

प्रांतीय खंड लोनिवि लैंसडौन के अंतर्गत घट्टूगाड-चैलूसैंण-गुमखाल-लैंसडौन-रिखणीखाल-बीरोंखाल स्टेट हाईवे, सतपुली-दुधारखाल-धारकोट, सतपुली-सिसल्डी मोटर मार्ग, मरचूला–सराईंखेत–बैजरो–पोखड़ा–सतपुली स्टेट हाईवे, धुमाकोट–पिपली मोटर मार्ग, चाई–गिंवाली–रैतपुर मोटर मार्ग, संदणा–मठाली मोटर मार्ग, रिखणीखाल–टकोलीखाल मोटर मार्ग पर आवाजाही बाधित रही। इसके अलावा कुल्हाड़–राजखिल मोटर मार्ग, कंडाखणीखाल–जुड मोटर मार्ग, देवीखेत–जामल–डबोलीखाल मोटर मार्ग, थानखाल–भलगांव मोटर मार्ग, चैलूसैंण–देवीखेत मोटर मार्ग, द्वारी–सिलगांव मोटर मार्ग, सतपुली–बरसूड़ी मोटर मार्ग, वड्डा–ताड़केश्वर मोटर मार्ग, सिलोगी–घनसाली मोटर मार्ग, जाखणीखाल–अमोला–दाबड़ मोटर मार्ग, मस्टखाल–पुलांसू–उतिंडा मोटर मार्ग मलबा आने के कारण बंद रहे। निर्माण खंड लोनिवि दुगड्डा के अंतर्गत लक्ष्मणझूला–दुगड्डा–धुमाकोट स्टेट हाईवे, नालीखाल–बंचूरी–नैल–कपोलकाटल मोटर मार्ग, कोटद्वार रामड़ी मोटर मार्ग, कांडाखाल–खैराणा मोटर मार्ग, पौखाल–भवांसी मोटर मार्ग, चाक्यू–हिलोगी मोटर मार्ग, चाक्यू–डोबर मोटर मार्ग, सैंज–चुब्याणी–गुमालगांव–बुधोली मोटर मार्ग पर मलबा आने के कारण यातायात बाधित रहा। निर्माण खंड बैजरो के अंतर्गत थलीसैंण–बूंगीधार–देघाट–जैनल–मानिला–डोटियाल–मरचूला स्टेट हाईवे, घट्टूगाड–सिलोगी–चैलूसैंण–गूमखाल–लैंसडौन–डेरियाखाल स्टेट हाईवे, स्यूंसी–आमकुलाऊं मोटर मार्ग, जिवई–बिरगणा मोटर मार्ग, सुकई संपर्क मार्ग, थलीसैंण–मुसेटी–फरस्यूडी–धाधणखेत मोटर मार्ग, गढ़कोट–छांछरौ मोटर मार्ग पर मलबा आने के कारण आवाजाही प्रभावित रही।

निगम ने लगाएं 27 हाई फोकस सीसीटीवी कैमरे

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र में कीर्तिनगर से लेकर स्वीत तक चार धाम यात्रा मार्ग पर जिलाधिकारी पौड़ी के दिशा-निर्देश पर नगर निगम द्वारा 27 हाई फोकस कैमरे लगाए गए हैं।

नगर के गणेश बाजार, गोला बाजार, शारदानाथ घाट एवं अल्केश्वर घाट पर भी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों की मदद से चार धाम यात्रा मार्ग सहित नगर के मुख्य स्थलों की निगरानी की जाएगी।

नगर निगम द्वारा इन कैमरों की मदद से कूड़ा सड़क पर फेंकने व गंदगी करने वालों के चालान किए जाएंगे। सभी कैमरों का कंट्रोल रूम थाना श्रीनगर एवं नगर निगम कार्यालय में बनाया गया है।

एसडीएम अजयवीर सिंह ने नगर निगम के स्वास्थ्य निरीक्षक शशि पंवार को प्रतिदिन कैमरों की मॉनीटरिंग करने के निर्देश भी दिए हैं। स्वास्थ्य निरीक्षक पंवार ने कहा कि सभी नगरवासी अब सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हैं। कोई भी अवैध कार्य करने या पकड़े जाने पर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। (एजेंसी)

कहर बनकर बरसी बारिश, पनियाली गदेरे ने खूब मचाया उत्पात

गुरूवार सुबह करीब पांच घंटे की मूसलाधार बारिश ने मचाई तबाही, जलभराव व भू-कटाव के कारण आमजन को उठानी पड़ी परेशानी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में गुरवार को हुई बारिश कहर बनकर बरसी। नदी-नाले उफान पर आने से जगह-जगह जलभराव व भू-कटाव की स्थिति देखने को मिली। सबसे अधिक तबाही नगर क्षेत्र के बीच से होकर गुजरने वाले पनियाली गदेरे ने मचाई।

गुरुवार तड़के बारिश का दौर शुरू हो गया था। करीब पांच घंटे तक लगातार हुई बारिश से क्षेत्र के अधिकांश नदी नाले उफान पर आ गए।

नगर क्षेत्र के बीच से गुजरने वाले पनियाली गदेरे ने क्षेत्र में सबसे अधिक उत्पात मचाया। जगह-जगह जलभराव व भू-काटाव ने आमजन की चिंता बढ़ा दी। जानमाल के खतरे को देखते हुए गदेरे के आसपास रहने वाले कई परिवारों ने अपने रिश्तेदार व परिचितों के घरों में शरण ली। वहीं, नालियां चौक होने के कारण आमपड़ाव, लकड़ीपड़ाव, जौनपुर व गोविंदनगर में भी जलभराव की स्थिति देखने को मिली।

आमपड़ाव से महाविद्यालय को जोड़ने वाले मार्ग का अधिकांश हिस्सा पनियाली गदेरे की भेंट चढ़ गया। मार्ग बहने से पेयजल लाइनें भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। खतरे को देखते हुए प्रशासन की टीम ने मार्ग पर आवाजही को बंद करवाया। उक्त स्थान पर पनियाली गदेरे से लगातार भू-कटाव का खतरा बना हुआ है। वहीं, शिवपुर, मानपुर क्षेत्र में भी पनियाली गदेरे के कारण भू-कटाव की स्थिति देखने को मिली। काश्तकारों की अधिकांश भूमि गदेरे के तेज उफान पर बह गई।

कई घरों में घुसा गदेरे का पानी

पनियाली गदेरे के उफान पर आने से सबसे अधिक नुकसान कौड़िया क्षेत्र के परिवारों को उठाना पड़ा। मोहल्ले के अधिकांश घरों में गदेरे का पानी भर गया। जिससे परिवारों का सामान बर्बाद हो गया। कई घरों में घुटने-घुटने तक मलबा भरा हुआ दिखाई दिया। बारिश थमने के बाद परिवार घरों से मलबा व पानी साफ करते हुए नजर आए। वहीं, भाबर क्षेत्र के झंडीचौड़ के तेलस्रोत, कुंभीचौड़ के बहेड़ास्रोत, जामुन स्रोत सहित अन्य गदेरों से भी क्षेत्र में जल भराव की स्थिति बनी हुई थी।

पनियाली गदेरे से देवी रोड में पुलिया के समीप बही दुकान की नींव

पनियाली गदेरे से आमपड़ाव- महाविद्यालय रोड पर गायब हुआ रास्ते का हिस्सा

देवी रोड पुलिया के समीप हुआ कटाव

नजीबाबाद चौराहे से करीब पांच सौ मीटर दूर स्थित देवी रोड पुलिया के समीप पनियाली नाले के पानी से कटाव हो गया। जिसमें एक दुकान की नींव तक ढह गई है। इससे पुलिया को भी खतरा पैदा हो सकता है।

कांग्रेस ने स्वाभिमान न्याय यात्रा की तैयारियों को लेकर सौंपी जिम्मेदारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र में 17 जुलाई से कांग्रेस स्वाभिमान न्याय यात्रा आयोजित करेगी। जिसको लेकर इन दिनों कांग्रेस तैयारियों में जुटी हुई है। यात्रा को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई है।

गुरुवार को कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष विनोद नेगी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्वाभिमान न्याय यात्रा की रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान जिला अध्यक्ष विनोद नेगी ने कहा कि स्वाभिमान न्याय यात्रा के माध्यम से भाजपा द्वारा राज्यों में किए जा रहे भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों को जनता के बीच रखा जाएगा। साथ ही अंकिता भंडारी प्रकरण में सरकार की हीलाहवाली सहित राज्य में पेपर लीक मामले से लेकर भर्ती घोटालों को भी जनता के सामने रखा जाएगा। पौड़ी शहर से शुरू होने जा रही सम्मान न्याय यात्रा की तैयारियों को लेकर जिम्मेदारियां तय की गई। जिससे स्वाभिमान न्याय यात्रा के जरिए जनता तक संदेश पहुंचाया जा सके।

कार बरामद, गायब युवकों की तलाश में जुटी रही टीमें

कोटद्वार दुगड्डा के मध्य लालपुल के समीप हुई थी कार दुर्घटना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य लालपुल के समीप हुई कार दुर्घटना में लापता दो युवकों का तीसरे दिन भी कुछ पता नहीं चला। हालांकि, एसडीएआरएफ की टीम ने सिद्धबली मंदिर से करीब पांच सौ मीटर आगे खोह नदी में डूबी कार को बरामद कर लिया है। गुरुवार को पूरे दिन टीमें लापता युवकों की तलाश में जुटी रही।

मंगलवार दोपहर जिला बिजनौर में थाना कीरतपुर के अंतर्गत ग्राम भनेड़ा निवासी इसरार, ग्राम मेमन निवासी शहाबुद्दीन व मुशर्रफ, ग्राम बसेड़ा निवासी गुलशेर व वसीम दुगड्डा क्षेत्र की ओर घूमने आए। लेकिन, शाम को वापस लौटते हुए उनकी कार लालपुल के समीप खोह नदी में जा गिरी। दुर्घटना के दौरान कार की अगली सीट पर बैठा गुलशेर छिटक कर झाड़ियों में गिर गया, जिसे कोटद्वार बेस अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहीं, ग्राम मेमन निवासी मुशर्रफ को घटना की रात रेस्क्यू कर नदी से बाहर निकाला गया। जबकि, ग्राम बनेड़ा निवासी इसरार का शव बुधवार सुबह सिद्धबली से करीब आधा किलोमीटर आगे नदी से बरामद किया गया।

कार सवार शहाबुद्दीन व वसीम की तलाश में एसडीएअएफ लगातार प्रयास में जुटी हुई है। बुधवार शाम अभियान के दौरान टीम को सिद्धबली के नीचे खोह नदी के बीच फंसी कार भी दिखाई दी। लेकिन, बहाव तेज होने के कारण कार को बाहर नहीं निकाला जा सका। वहीं, गुरुवार दोपहर कार बहते हुए सिद्धबली मंदिर से करीब पांच सौ मीटर आगे आ गई थी। जिसे क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। हालांकि लापता युवकों का कोई पता नहीं चल पाया है। ऐसे में अब टीम नदी का पानी कम होने का इंतजार कर रही है।

खोह नदी से निकाली गई कार

छात्रावासों की छतों से पानी टपकने से छात्र परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर स्थित त्रिशूल और चौखंबा छात्रावास में छतों से पानी टपकने के कारण छात्रों को हो रही समस्या के समाधान के लिए जय हो संगठन के कार्यकर्ता कुलसचिव से मिले। इस दौरान उन्होंने कहा कि छात्रावास जर्जर स्थिति में होने से छतों से पानी टपक रहा है। जिससे कमरों में पानी आ रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए कुलसचिव से मिलने गए छात्र नेता वीरेंद्र बिष्ट, पुनीत अग्रवाल, राहुल परिहार, सौरभ, अक्षांश ने कहा कि लगातार हो रही बारिश के कारण दोनों छात्रावासों में छात्रों को दिक्कतें हो रही हैं। उन्होंने कुलसचिव से तत्काल समस्या के समाधान की मांग की। कहा यदि उनकी मांग पर शीघ्र अमल नहीं हुआ तो उन्हें आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा। छात्र नेता वीरेंद्र बिष्ट ने बताया कि कुलसचिव डा. धीरज शर्मा ने छात्रावासों का स्थलीय निरीक्षण किए जाने का आश्वासन दिया है। (एजेंसी)

स्वीत में दो पेयजल टैंक और देवलगढ़ में मंदिर खतरे की जद में

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर में नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत स्वीत गांव में एकल पेयजल योजना के दो टैंकों के पुश्ते क्षतिग्रस्त होने से टैंकों को खतरा पैदा हो गया है। जिससे गांव की पेयजल आपूर्ति आंशकि रूप से गड़बड़ा गई है।

लोगों का कहना है कि रेलवे की ब्लास्टिंग से नहर और पेयजल टैंकों व उनके मकानों को खतरा हो रहा है। वहीं देवलगढ़ में गौरा देवी मंदिर परिसर का पुश्ता टूटने से पुरातात्विक महत्व के वर्षों पुराने मंदिर खतरे की जद में आ गया है। स्वीत में पेयजल आपूर्ति कराने वाले टैंकों के नीचे बने पुश्ते बुरी तरह से क्षतिग्रस्त होने से लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह बारिश आती रहेगी तो दोनों टैंक पूरी तरह से ध्वस्त हो जाएंगे। जिससे गांव में पेयजल आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हो जाएगी। उन्होंने जल संस्थान व प्रशासन से इस समस्या का तत्काल समाधान करने की मांग की। जल संस्थान के सहायक अभियंता कृष्णकांत ने कहा कि स्वीत में दो पेयजल टैंकों के नीचे के पुश्ते क्षतिग्रस्त होने से आ रही समस्या का समाधान किया जा रहा है। वहीं देवलगढ़ राज राजेश्वरी मंदिर के मुख्य पुजारी कुंजिका प्रसाद उनियाल ने बताया कि बारिश से गौरा देवी मंदिर परिसर का पुश्ता ढह गया। जिससे मंदिर को कभी भी बड़ा खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि मंदिर पुरातत्व विभाग के अधीन है। इसलिए प्रशासन व पुरातत्व विभाग मंदिर के संरक्षण के लिए ठोस उपाय करे। (एजेंसी)

आकाशीय बिजली गिरने से चार बकरियों की मौत, दो महिला घायल

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : लगातार हो रही बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। भारी बारिश से जहां नदी, नाले उफान पर है, वहीं कई सड़कों पर पर मलबा आने से आवाजाही ठप है। विकासखंड थलीसैंण के ग्राम मरोड़ा के जंगल में आवासीय बिजली गिरने से चार बकरियों की मौत हो गई। जबकि दो महिला घायल हो गई। व्यापार मंडल थलीसैंण के अध्यक्ष विजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरूवार के ग्राम मरोड़ा निवासी 60 वर्षीय अषाड़ी देवी पत्नी मौल्या सिंह, 23 वर्षीय गोदावरी देवी पत्नी अवतार सिंह गांव के पास ही जंगल में मवेशियों को चराने गये थे। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरने से मौल्या सिंह की चार बकरियों की मौत हो गई, जबकि कई बकरियां गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्होंने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने से अषाड़ी देवी और गोदावरी देवी को हल्की चोटें आई है। शुक्र है कि दोनों महिलाओं की जान बच गई। उन्होंने शासन-प्रशासन से पशुपालक को उचित मुआवजा देने की मांग की है। कहा कि पशुपालक पशुपालन से ही परिवार का भरण पोषण करता है।

चित्रा गार्डन में औषधीय एवं फलदार पौधे रोपे

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र (हैप्रक) की ओर से भारत द्वारा जी-20 समूह की अध्यक्षता के उपलक्ष्य में चित्रा अभियान के तहत विवि की बंजर भूमि में विभिन्न प्रकार के 500 से अधिक औषधीय एवं फलदार वृक्षों का रोपण किया गया।

इस मौके पर बतौर आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आरसी सुंद्रियाल ने कहा कि गढ़वाल विवि ने जी-20 सम्मेलन में वन इंडिया, वन हिमालय के प्रारूप को तैयार कर केंद्र सरकार को भेजा है। कहा हिमालय के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए पर्यावरणीय जागरूकता जरूरी है। भू-विकास के नोडल अधिकारी इंजीनियर महेश डोभाल ने कहा कि बदलते पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन की विषमताओं से बचाव के लिए इस प्रकार के वृहद वृक्षारोपण जन सहभागिता से ही सफल हो सकते हैं। मौके पर हैप्रक के निदेशक प्रो. एमसी नौटियाल, डा. वीके पुरोहित, प्रो. डीआर पुरोहित, डा. एसएस बिष्ट, डा. सर्वेश उनियाल, डा. बबिता पाटनी, डा. विजयलक्ष्मी, धनेश उनियाल, नवल किशोर जोशी, डा. सुनील बिजल्वाण, प्रदीप मल्ल, अर्जुन सिंह गुसांई, स्टॉप टीयर्स संस्था के प्रमोद बमराड़ा, उत्तम सिंह, अंबिका, शीतल, कुलदीप, निखिल, धर्मा लाइफ संस्था से बिपिन सिंह, मंजीत सिंह, बिरेंद्र रावत, कुलदीप कुमार, जयप्रकाश आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

सरकार की गलत नीतियों के कारण ढहा पुल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मालन नदी पर बने पुल के गिर जाने पर पूर्व मंत्री सुरेन्द्र सिंह नेगी और महापौर हेमलता नेगी ने पुल का निरीक्षण किया। पूर्व काबीना मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की गलत नीतियों से मालन नदी का पुल ढहा है।

इस दौरान पूर्व मंत्री ने कहा कि यह सब अनियोजित खनन, सरकार की गलत खनन नीति, समय-समय पर मेंटेनेंस न करने परिणाम है जो आम जनता को भुगतनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले जब प्रदेश में कांग्रेस सरकार थी, तब समय-समय पर जेसीबी लगाकर नदी के गड्ढों को पाटा जाता था और पुल का तकनीकी निरीक्षण करवाया जाता था, जिससे बरसात के समय नदी का तेज बहाव क्षति नहीं पहुंचाता था, परंतु आज वर्तमान सरकार की लापरवाह के कारण कलाल घाटी, झंडी चौड़ की जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

क्षतिग्रस्त पुल का निरीक्षण करने पहुंचे पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी

पॉक्सो एक्ट के दोषी चाचा को 20 साल कठोर कारावास की सजा और अर्थदंड

अल्मोड़ा : लैगिंक अपराध के एक मामले में विशेष सत्र न्यायाधीश कौशल किशोर शुक्ला ने अभियुक्त विनोद लमकोटी निवासी चौखुटिया अल्मोड़ा को धारा (5एन)/6 पॉक्सो एक्ट के तहत 20 साल का कठोर कारावास व 20 हजार रुपया का अर्थदण्ड, अर्थदण्ड अदा न करने पर 6 माह का अतिरिक्त कारावास से दंडित किया गया है व अभियुक्त पर इसके अतिरिक्त अन्य धाराओं में भी सजा और जुर्माना लगा है। पीड़िता को आर्थिक मुआवजे हेतु न्यायालय द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को आदेशित किया गया है।

अभियोजन कहानी के अनुसार दिनांक 10/07/2021 को पीड़िता अपने पड़ोस में बर्थडे पार्टी में गई थी जहाँ से उसके चाचा ने उसे खाना लाने को कहा। जब वह रात को वापस लौटी तो चाचा ने उसके साथ दुष्कर्म किया और वीडियो भी बनाई। जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट पीड़िता के जीजा द्वारा थाना चौखुटिया जिला अल्मोड़ा को दी। उक्त रिपोर्ट के आधार पर अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। विवेचना अधिकारी द्वारा विवेचना पूर्ण कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस मामले का विचारण विशेष सत्र न्यायाधीश, अल्मोड़ा के न्यायालय में चला। इस मामले में अभियोजन की ओर से (9) गवाहों को न्यायालय में परीक्षित किया गया तथा अभियोजन की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी, पूरन सिंह कैड़ा, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी शेखर चन्द्र नैल्वाल एवं अभिलाषा तिवारी विधि सह परीविक्षा अधिकारी द्वारा मामले में सबल पैरवी की गई। तथा जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी पूरन सिंह कैड़ा द्वारा मामले में सबल बहस/पैरवी कर दस्तावेजी साक्ष्य भी न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। जिस पर विशेष सत्र न्यायाधीश, अल्मोड़ा द्वारा पत्रावली पर मौजूद मौखिक व दस्तावेजी साक्ष्यों का परिशीलन कर अभियुक्त विनोद लमकोटी को धारा (5एन)/6 पॉक्सो एक्ट के तहत 20 साल का कठोर कारावास व बीस हजार रुपये का अर्थदण्ड, अर्थदण्ड अदा न करने पर 6 माह का अतिरिक्त कारावास से दंडित किया गया है और इसके अलावा धारा–458, धारा 323 एवं धारा 506 में कठोर कारावास और सात हजार रुपया कुल अर्थदंड, अर्थदंड अदा नहीं करने पर अतिरिक्त कारावास से दण्डित किया गया है। ये सभी सजाएं साथ–साथ चलेंगी। (एजेंसी)

सुरक्षा दीवार गिरने से मकान को खतरा

पिथौरागढ़ : गणाई गंगोली क्षेत्र में भारी बारिश के बाद एक मकान की सुरक्षा वॉल गिर गई। इससे मकान को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। मकान के सात कमरों में दरारें आ गई हैं। गुरुवार तड़के तीन बजे गणाई के गांव कुशमाण, कुनलता में भगवान सिंह और उमेद सिंह के मकान की सुरक्षा वॉल गिर गई। दीवार गिरने की तेज आवाज के बाद घर के अंदर रह रहे लोग बाहर आए। उन्होंने इसके बाद रात में ही मकान के अंदर कमरों में दरारें देखने के बाद मकान के दरार वाले कमरे खाली किए। दूसरे कमरों में सामान शिफ्ट किया। पीड़ित परिवार ने मवेशियों के लिए दूसरी जगह मकान में व्यवस्था की है। राजस्व उपनिरीक्षक मदन मोहन जोशी आधे दिन बाद क्षति का जायजा लेने पहुंचे। पीड़ित परिवार ने मकान की सुरक्षा की व्यवस्था करने की मांग की है।

26 विद्यालय व पांच आंगनबाड़ी केंद्र संवेदनशील

बागेश्वर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से जिले की समीक्षा की। उन्होंने आपदा से हुए नुकसान को युद्ध स्तर पर ठीक करने और बंद सड़कों को त्वरित गति से खोलने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

डीएम ने बताया कि 26 विद्यालय और पांच आंगनबागड़ी केंद्र संवेदशील चिह्नित किए गए हैं। बारिश से अब तक 82 लाख रुपये की सरकारी संपत्ति का नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा को मद्देनजर रखते हुए उत्तराखंड सरकार की ओर से आपदा राहत नंबर जारी किए गए हैं। वे स्वयं राज्य आपदा कंट्रोल रूम में 24 घटें सभी जनपदों से सड़क एवं बारिश की स्थिति के बारे में जानकारी ले रहे हैं। आपदा की सूचना के लिए 9411112985, 01352717380, 01352712685 नंबर जारी किए हैं। साथ ही व्हाट्सएप नंबर–9411112780 पर भी लोग मैसेज कर सकते हैं। जिलाधिकारी अनुराधा पाल ने बताया कि जनपद की सड़कों के छोरों पर 49 जेसीबी चालक समेत तैनात हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि अधिकारियों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। आपदा कंट्रोल रूम 24 घंटे खुला है। आकाशीय बिजली गिरने से 280 बकरियां मर गई थीं, जिनका मुआवजा वितरित कर दिया गया है। डीएम ने बताया कि जिले में एनडीआरएफ व एसडीआरएफ को अलर्ट पर रखा गया है। इस दौरान अपर जिलाधिकारी सीएस इमलाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पीडी जोशी, उप जिलाधिकारी हरगिरी, मोनिका अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग राजकुमार, पीएमजीएसवाई विजय कृष्ण, जल संस्थान सीएस देवडी, सिंचाई केके जोशी, आपदा प्रबंधन अधिकारी शिखा सुयाल आदि मौजूद थे।

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव तैयारियां शुरू की

पिथौरागढ़ : अल्मोडा-पिथौरागढ़ संसदीय क्षेत्र में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस कार्यालय में बैठक हुई। गुरुवार को लोकसभा प्रभारी उमाशंकर ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर सुझाव सुने और अपनी बात रखी। कार्यकर्ताओं ने आईटी सेल को मजबूत करने व कांग्रेस कार्यकाल में हुए कार्यों को जनता को बताने के लिए कहा।

पुलिस अभिरक्षा से भागा 25 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

काशीपुर। पुलिस अभिरक्षा से फरार 25 हजार का इनामी अभियुक्त को पुलिस ने काशीपुर के कब्रिस्तान गेट से गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से हथकड़ी, 315 बोर का तमंचा व कारतूस बरामद हुआ है। अल्मोड़ा के एएसआई दयान दत्त ने 20 जून को कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मूल रूप से ग्राम हकीकतपुर, गंगवाली थाना नगीना जिला बिजनौर निवासी शाहनवाज को अल्मोड़ा पुलिस ने नारकोटिक्स एक्ट में गिरफ्तार किया था। वह अल्मोड़ा जेल में था। एनडीपीएस के एक दूसरे केस में पेशी के लिए पुलिस कर्मी उसे नगीना कोर्ट में ले जा रहे थे। रामनगर रोड पर होटल प्रेम दीप के पास लघुशंका के बहाने शाहनवाज पुलिस को चकमा देकर भाग गया। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका पता नहीं चल सका तो एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था। गुरुवार को एएसपी अभय सिंह ने बताया कि बुधवार को कोतवाल मनोज रतूड़ी के नेतृत्व में पुलिस और एसओजी की टीम ने फरार इनामी शाहनवाज को गंगेबाबा रोड स्थित कब्रिस्तान के निर्माणाधीन गेट के पास से गिरफ्तार कर लिया। शाहनवाज के खिलाफ नगीना थाने में छह और काशीपुर में एक केस दर्ज है। टीम में एसओजी प्रभारी विजेंद्र शाह, बीसी जोशी, एसआई देवेंद्र सामंत, एसआई कपिल कांबोज, संतोष देवरानी, कैलाश तोम्क्याल, कुलदीप, किशोर फत्र्याल, सुरेंद्र सिंह आदि शामिल रहे।

विधायक ने सीएम से मुलाकात की

नैनीताल : विधायक नैनीताल सरिता आर्या ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर बारिश हो रहे नुकसान का मुआवजा जल्द वितरित करने की मांग उठा-ई। उन्होंने मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश से ग्रामीण इलाकों में काफी नुकसान हो रहा है।

विधायक ने किया जर्जर विद्यालय का निरीक्षण

पिथौरागढ़ : विधायक मयूख महर ने जर्जर विद्यालय प्राइमरी, जूनियर हाईस्कूल झूणी का निरीक्षण किया। बच्चों से शिक्षण गतिविधियों की जानकारी ली और कडी मेहनत कर बच्चों से सपने पूरे करने को कहा। गुरुवार को विधायक महर ने जर्जर विद्यालय प्राइमरी, जूनियर हाईस्कूल झूणी का निरीक्षण किया। जर्जर भवन में मलान, झूणी, महगत, मौडी समेत अन्य गांव के आंगनबाड़ी के 12, प्राइमरी में 28, जूनियर हाईस्कूल में 40 बच्चे अध्ययन करते हैं। पंचायत भवन में कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। टपकते पानी को रोकने के लिए अध्यापकों ने बर्तनों को लगाया है। विधायक महर ने कहा शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चों पर खतरा मंडरा रहा है। आपदा का इंतजार न कर जर्जर विद्यालयों की दशा सुधारने के लिए शिक्षा विभाग और प्रशासन को कार्य करना चाहिए।

निराश्रित गोवंश हेतु गौ सदनों की स्थापना की कवायद शुरू

अल्मोड़ा : जिलाधिकारी विनीत तोमर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में निराश्रित गोवंश हेतु गौ सदनों की स्थापना व संचालन/एसपीसीए/गोट वैली योजना के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 31 जुलाई, 2023 तक सम्बन्धित विभाग ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में विचरण कर रहे निराश्रित अलाभकारी गौवंश की गणना हेतु सर्वेक्षण कार्य समय से करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि नवीन गौसदन शरणालय की स्थापना हेतु भूमि का चिन्हीकरण का कार्य समय से कर लिया जाय। उन्होंने कहा कि गौसदनों का संचालन गैर सरकारी संस्थाओं के माध्यम से किया जाय। बैठक में जिलाधिकारी ने पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम (एसपीसीए) के अन्तर्गत आवारा कुत्तों का बधियाकरण करने के मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को निर्देश दिये। बैठक में जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि बन्दरों के बधियाकरण किये जाने हेतु अपने विभाग से सम्बन्धित मशीन एवं उपकरणों की मरम्मत समय से की जाय ताकि बन्दरों का बधियाकरण किया जा सके। बैठक में जिलाधिकारी ने गोटवैली योजना हेतु चयनित लाभार्थियों की सूची में सहमति प्रदान की। उन्होंने निर्देश दिये कि योजना का अतिशीघ्र क्रियान्वयन किया जाय ताकि अधिक से अधिक लोगों को इस योजना का लाभ मिल सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी पुष्पेन्द्र सिंह, जिला विकास अधिकारी संतोष पंत, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 उदय शंकर, पुलिस उपाधीक्षक तिलक राम वर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। (एजेंसी)

घुरसों गांव पहली बार पहुंची गैस की गाड़ी

अल्मोड़ा : पूर्व दर्जा मंत्री बिट्टू कर्नाटक के प्रयासों से घुरसों गांव में सड़क पक्की होने के बाद आज पहली बार गैस वितरण वाहन पहुंचा। जिस पर गांव वालों ने श्री कर्नाटक का आभार व्यक्त किया। विदित हो कि विगत दिवस घुरसों ग्राम सभा के भ्रमण के दौरान पूर्व दर्जा मंत्री बिट्टू कर्नाटक ने विगत दिनों वर्षा से क्षतिग्रस्त हुए भवन स्वामी की मदद करने के लिए सम्बंधित को लिखे पत्र की प्रति ग्राम प्रधान के माध्यम से पीड़ित परिवार को सौंपी। इसके साथ ही उन्होने ग्रामवासियों को आश्वस्त भी किया कि हर परिस्थिति में वे ग्राम वासियों के साथ खड़े हैं। ग्रामवासियों के अनुरोध पर कि सड़क पक्की होने के कारण अब गैस सिलेंडर की गाड़ी यहाँ आनी चाहिए। कर्नाटक ने तत्काल कुमाऊं मण्डल विकास निगम के अधिकारियों से दूरभाष पर बात कर घुरसों में तत्काल गैस की गाड़ी भिजवाने के सन्दर्भ में वार्ता की। जिसके परिणाम स्वरूप गुरुवार को गैस सिलेन्डर की गाड़ी घुरसों में आई और ग्रामवासियों ने गैस के सिलेंडर लिए। इससे ग्रामवासियों में अपार हर्ष व्याप्त था और गैस सिलेंडर की गाड़ी घुरसों में भिजवाने के लिए उन्होंने कर्नाटक का आभार भी व्यक्त किया। इसके साथ ही कर्नाटक से ग्रामवासियों ने बिजली के पोल को अन्यत्र स्थानांतरित करने की भी मांग की। जिस पर कर्नाटक के द्वारा तत्काल विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता से वार्ता की गयी।

सड़क की बदहाली से भड़के लोग, आंदोलन की दी चेतावनी

चम्पावत : चौड़ाढेक–सुई–शिव मंदिर मोटर मार्ग की बदहाली को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। उन्होंने विभाग के खिलाफ बारिश में प्रदर्शन कर नारेबाजी की। चेतावनी दी कि अगर शीघ्र सड़क पर डामरीकरण नहीं हुआ तो वह लोग उग्र आंदोलन करेंगे। सुंई खैंसकांडे के ग्राम प्रधान भुवन चौबे ने कहा कि चौड़ाढेक–सुई–शिवमंदिर मोटर मार्ग कई वषी से बदहाल है। सड़क के बीच में कई जगहों पर गड्ढे बने हुए है। बारिश के दिनों गड्ढों में पानी भर जा रहा है। जिससे चलते ग्रामीणों को आवाजाही करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कई बार लोनिवि से शिकायत करने के बाद भी मोटर मार्ग की स्थिति जस की तस बनी हुई है।

डीएम ने किए दो खाद्यान्न ढुलान ठेकेदार ब्लैक लिस्टेड

अल्मोड़ा : जिला पूर्ति अधिकारी पीताम्बर प्रसाद ने बताया कि मदन सिंह बोरा पुत्र स्व0 श्याम सिंह बोरा, ग्राम फुलाई, पो0 गनाई, चौखुटिया, अल्मोड़ा को वित्तीय वर्ष 2022-23 में रेलशीर्ष हल्द्वानी से जनपद अल्मोड़ा के आन्तरिक गोदाम द्वाराहाट तथा पंकज बोरा पुत्र मदन सिंह बोरा, ग्राम फुलाई, पो0 गनाई, चौखुटिया, अल्मोड़ा को वित्तीय वर्ष 2022-23 व 2023-24 में डोर स्टेप डिलीवरी के अन्तर्गत जनपद अल्मोड़ा के आन्तरिक खाद्यान्न गोदामों द्वाराहाट, बग्वालीपोखर, जालली से सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेताओं की दुकानों तक खाद्यान्न ढुलान ठेकेदार नियुक्त किया गया था। उन्होंने बताया कि नियुक्त परिवहन ठेकेदारों द्वारा विभाग के साथ किये गये खाद्यान्न ढुलान अनुबन्ध में जमानत की धनराशि के रूप में लगाई गयी एफडीआर जो कि जिला पूर्ति अधिकारी, अल्मोड़ा के नाम बन्धक थी को बिना जिला पूर्ति अधिकारी, अल्मोड़ा के अवमुक्त किये धोखाधड़ी से अवमुक्त कराये जाने के फलस्वरूप जिलाधिकारी के निर्देशानुसार इन खाद्यान्न ढुलान ठेकेदारों का नाम 10 वर्ष तक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, उत्तर-खण्ड में काली सूची में दर्ज की दिया गया है। (एजेंसी)

मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने फायर स्टेशन में व्यवस्थाएं देखी

काशीपुर। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने फायर स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फायर स्टेशन के कार्यालय, स्टोर, बैरिक, मैस और एमटी स्टोर में व्यवस्थाएं देखीं। इसके अलावा उन्होंने अग्निशमन वाहनों की कार्यशीलता को चेक किया। इसके बाद उन्होंने कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं। साथ ही प्रभारी एफएसओ महेश चन्द्र को प्रत्येक माह कर्मचारियों की समस्या जानकर उनका निराकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों से बारिश और आपदा के दौरान अलर्ट रहने को कहा।

फर्जी आय प्रमाणपत्र लगाने पर सीएससी संचालक समेत दो गिरफ्तार

काशीपुर। फर्जी आय प्रमाणपत्र के जरिए नंदा गौरा देवी कन्या धन योजना का लाभ लेने के मामले में पुलिस ने जन सेवा केंद्र (सीएससी) संचालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गुरुवार को सीओ वंदना वर्मा, कोतवाल पीएस दानू ने बताया कि 31 मई को डीपीओ उदय प्रताप ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा था कि नगर पंचायत महुआडाबरा निवासी दिलशाद हुसैन पुत्र मो.इब्राहीम ने नंदा गौरा देवी कन्या धन योजना का लाभ लेने को आय प्रमाणपत्र लगाया था। जांच में प्रमाणपत्र में आय 84 हजार की जगह 72 हजार रुपये करना पाया गया। बताया कि गांव के ही अबुल हसन पुत्र फरीद आजम जोकि जन सेवा केंद्र चलाता है, ने लैपटॉप व प्रिंटर के जरिए असली आय प्रमाणपत्र में छेड़छाड़ की। इसके बाद योजना का लाभ लेने को कूटरचित आय प्रमाणपत्र को सीडीपीओ कार्यालय में जमा कर दिया गया। सीओ ने बताया कि जनसेवा केंद्र के खिलाफ डीएम को भी रिपोर्ट भेजी जाएगी। विवेचना के बाद दोनों को महुआडाबरा से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम में एसआई धीरज वर्मा, महिपाल सिंह आदि रहे।

संचार कौशल प्रशिक्षण शुरू

नैनीताल : बीडी पांडे जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों व मेडिकल स्टाफ के लिए संचार कौशल प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। पीएमएस डॉ. एलएमएस रावत ने बताया कि संचार कौशल का प्रशिक्षण कार्यक्रम एक महीने तक चलेगा। प्रशिक्षण में डॉक्टरों व अन्य मेडिकल स्टाफ को मरीजों से बातचीत करने के तरीके सिखाए जाएंगे।

छात्रों को दी रोजगार की जानकारी

चम्पावत : पीजी कॉलेज चम्पावत में कैरिअर काउंसलिंग सेल और खादी व ग्रामोद्योग आयोग के संयुक्त तत्वाधान में रोजगार की नई पहल जागरूकता शिविर लगाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चंद्र राम ने की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सहायक तकनीकि सलाहकार एसआर डोबाल रहे। यहां प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के बारे में विस्तृत जानकारी दी। एमके तड़ागी व अमित भाकुनी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

बिना सत्यापन किराएदार रखने पर चार मकान मालिकों के काटे चालान

अल्मोड़ा : जनपद में पुलिस बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन को जोरशोर से जुटी हुई है। रामचन्द्र राजगुरु, एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा जनपद में आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु समस्त थाना प्रभारियों को अपने–अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत वृहद स्तर पर सत्यापन अभियान चलाकर बाहरी व्यक्तियों का शत–प्रतिशत सत्यापन कराने व बिना पुलिस सत्यापन किराए पर रहने/रखने वालों के विरुद्ध भी कड़ी कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिये गए हैं। बुधवार 12 जुलाई को थानाध्यक्ष सोमेश्वर विजय सिंह नेगी के नेतृत्व में सोमेश्वर पुलिस ने थाना क्षेत्र में वृहद सत्यापन अभियान चलाया, जिसमें 04 मकान मालिकों द्वारा बिना पुलिस सत्यापन किरायेदार रखे पाए जाने पर पैंतीस हजार रुपये की चालानी कार्यवाही की गई। अल्मोड़ा पुलिस द्वारा जागस्कता अभियान चलाकर लोगों को किरायेदार सत्यापन के प्रति जागस्क करते हुए, अपने किरायेदारों का अनिवार्य स्म से पुलिस सत्यापन कराने, अन्यथा विधिक कार्यवाही की हिदायत दी गई। (एजेंसी)

राजस्व वसूली में तेजी लाएं राजस्व कर्मी

बागेश्वर। जिलाधिकारी अनुराधा पाल ने राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। कहा कि बड़े बकायेदारों से सख्ती से वसूली होगी। वादों का निस्तारण शीघ्र होगा। पुराने वादों को त्वरित तिथि लगाकर निपटाएं।

जिला कार्यालय पर आयोजित समीक्षा बैठक में डीएम ने विभिन्न अभियोगों में समयबद्ध ढंग से विवेचना, पुराने प्रकरणों की विवेचना शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश पुलिस को दिए। राजस्व और नियमित पुलिस को विभिन्न न्यायालयों से प्राप्त समन, नोटिस, वारंट आदि की व्यक्तिगत तामिली का प्रयास करने, आबकारी अधिकारी को प्रवर्तन कार्य में वृद्धि लाने, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को राजस्व वसूली बढ़ाने के निर्देश दिए। यातायात नियमों का पालने कराने, बिना हेलमेट वाहन चलाने, ट्रिपल राइडिंग, तेज गति से वाहन चलाने, नाबालिगों के वाहन चालने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के निर्देश दिए। डीएम ने अभिहित अधिकारी को असुरक्षित खाद्य पदार्थ के निर्माण एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए। कहा कि सरकारी सस्ता गल्ला दुकानों, डीजल, पेट्रोल पंपों और गैस वितरण प्रणाली पर प्रभावी निगरानी जिला पूर्ति विभाग रखेगा। साथ ही नियमित चेकिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने आडिट आपत्ति, सूचना अधिकार, चरित्र सत्यापन, मुख्यमंत्री कार्यालय, राजस्व परिषद, शासन न्यायालय के संदर्भों पर त्वरित कार्रवाई करने को कहा। बैठक में अपर जिलाधिकारी सीएस इमलाल, उप जिलाधिकारी हरगिरी, मोनिका, पुलिस उपाधीक्षक एसएस राणा, अभियोजन अधिकारी सीमा भेतवाल, जिला पूर्ति अधिकारी मनोज बर्मन, जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी, जीबी उपाध्याय, बीबी पाठक, राजस्व दया कृष्ण, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी पंकज श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

कैंप साइड में लगाई आग, दो टेंट जलकर राख, जांच शुरू

नैनीताल : ज्योलीकोट के समीपवर्ती क्षेत्र गेठिया स्थित कैंप साइट कुरिया कैंप में बुधवार रात्रि कुछ लोगों ने आग लगा दी। कैंप संचालक की ओर से पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की गई है।

पुलिस ने प्रकरण में जांच शुरू कर दी है। ज्योलीकोट निवासी मुन्ना लाल साह गेठिया में पर्यटक कैंप चलाते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि बारिश के चलते इन दिनों कैंप साइट को शाम के समय जल्दी बंद कर दिया जा रहा है।

ढेला नदी में छोड़ा गया 10 हजार क्यूसेक पानी

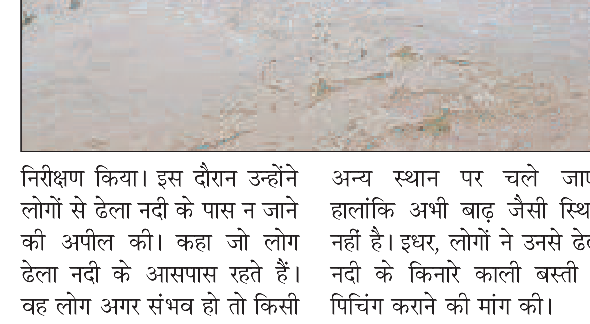

काशीपुर। पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश होने से तुमडिया डैम का जलस्तर बढ़ गया। जिसके चलते सिंचाई विभाग ने ढेला नदी में 10 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा है। जिसके बाद प्रशासन की टीम ने नदी क्षेत्र का दौरा किया। गुरुवार दोपहर 3 बजे सिंचाई विभाग ने तुमड़िया डैम से ढेला नदी में 10 हजार क्यूसेक पानी छोड़ दिया। जिसके बाद एसडीएम अभय प्रताप सिंह, तहसीलदार युसूफ अली ने टीम के साथ ढेला नदी के पास स्थित काली बस्ती, बैलजुड़ी स्थित ढेला पुल के पास कटाव का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से ढेला नदी के पास न जाने की अपील की। कहा जो लोग ढेला नदी के आसपास रहते हैं। वह लोग अगर संभव हो तो किसी अन्य स्थान पर चले जाएं। हालांकि अभी बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है। इधर, लोगों ने उनसे ढेला नदी के किनारे काली बस्ती में पिचिंग कराने की मांग की।

हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कोरिडोर बनाने की कार्यवाही शीघ्र शुरू करें

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय में राज्य के विभिन्न शहरों में नवीन टाउनशिप विकसित किये जाने के सबंध में बैठक ली।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कोरिडोर बनाने की कार्यवाही शीघ्र शुरू की जाए। इसके क्रियान्वयन के लिए बनाये जाने वाली कम्पनी के लिए भी शीघ्र कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्टूबर 2026 तक हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कोरिडोर का सम्पूर्ण कार्य पूर्ण हो यह सुनिश्ति किया जाए।

मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य में मैदानी क्षेत्रों में 05 एवं पर्वतीय क्षेत्रों में 03 टाउनशिप विकसित किये जाने की दिशा में भी तेजी से कार्य किये जाएं। गढ़वाल एवं कुमाऊँ क्षेत्र में एक-एक हिल स्टेशन विकसित किये जाने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को भी शीघ्र अन्तिम रूप दिया जाए। बैठक में शहरी विकास मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, आनन्द वर्धन, सचिव श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, दिलीप जावलकर, विनय शंकर पाण्डेय, एसएन पाण्डेय, उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जखोली में तहसील दिवस 18 को

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : आगामी मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार की अध्यक्षता में जखोली में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। आयोजित होने वाले तहसील दिवस के अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं आम जनमानस द्वारा दर्ज की जाने वाली शिकायतों का यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए उप जिलाधिकारी जखोली परमानंद राम ने बताया कि आगामी 18 जुलाई को प्रातः 11 बजे से तहसील जखोली सभागार में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समस्त विभागीय अधिकारी मौजूद रहेंगे। उन्होंने संबंधित क्षेत्रीय राजस्व उपनिरीक्षकों को आयोजित होने वाले तहसील दिवस से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी विभागीय अधिकारियों से निर्धारित तिथि व समय से उपस्थित होने की अपील की है।

अमसारी में पुश्ता टूटा, घर में घुसा मलबा, बाहर काटी रात

रूद्रप्रयाग : बीते तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के चलते कई गांवों में नुकसान हुआ है। अधिकांश जगहों पर पुश्ता, पेयजल लाइन, मकानों की दीवारें और खेत खलियानों को क्षति पहुंचने की खबरें हैं। मुख्यालय में कई जगहों पर पुश्ते, पेयजल लाइन और बिजली के पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं।

मुख्यालय में अमसारी में प्रेमलाल के मकान के पीछे पुश्ता टूटने से बड़ी मात्रा में मलबा उनके घर में आया जिससे वह रात भर बाहर रहे। किसी तरह उन्होंने रात काटी। प्रेमलाल ने प्रशासन, आपदा प्रबंधन और सरकार से शीघ्र मौका मुआयना कर सुरक्षित स्थान पर रखने की मांग की है। साथ ही विस्थापन की मांग की। रुद्रप्रयाग मुख्य बाजार के ऊपरी क्षेत्र में भूस्खलन का खतरा बना है। बीते दिन और रात यहां से बड़ी मात्रा में मलबा और पानी नीचे आया जिससे कई दुकानों को खतरा हो गया है। भूस्खलन से अमसारी, क्रिएटिव एकेडमी सहित आसपास के मकान एवं दुकानों को खतरा बना है। वहीं जयमंडी गदेरे के उफान पर आने से पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। यहां एक व्यक्ति के मकान पर पेड़ गिरा है, शुक्र रहा कि कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। वहीं अनूप नेगी मैमोरियल पब्लिक स्कूल परिसर का सड़क मार्ग का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया हैं जिससे स्कूली बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूल प्रशासन ने अवकाश घोषित किया। साथ ही स्कूल प्रबंधन ने शासन-प्रशासन एवं एनएच से शीघ्र पुश्ता निर्माण की मांग की ताकि स्कूल पहुंच मार्ग में सुरक्षित आवाजाही की जा सके।

टिहरी-देवप्रयाग सड़क पर गिरा पेड़, बिजली का पोल, आवाजाही बंद

टिहरी : टिहरी-देवप्रयाग मार्ग पर महड़ गांव के निकट बिजली के पोलों व पेड़ों के साथ आये भारी मलबे से वाहनों की आवाजाही थम गयी। लोनिवि की ओर से जेसीबी मशीन लगाकर करीब चार घंटे में यहां टिहरी देवप्रयाग मार्ग सुचारु किया गया। मलबे से साथ बिजली के पोलों व तारों के टूटने से महड गांव की बिजली आपूर्ति बंद हो गयी व पैदल रास्ता भी ध्वस्त हो गया। वहीं उप गांव पौखाल की सड़क भी ध्वस्त होने से ग्रामीण को चारा पत्ती, लकड़ी की भी मुश्किलें बढ़ गईं।

वहीं तहसील नैनबाग के अंतर्गत क्षेत्र की कई सड़कें बंद होने से जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। मसोन-जयद्वार-द्वारागढ मोटर मार्ग 3 दिनों से अवरुद्ध होने से काश्तकारों की नकदी फसल मंडी व नैनबाग बाजार तक न पहुंचने पर भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

कास्तकार शरण सिंह पंवार, गम्भीर सिंह, सुमन लाल बहुगुणा, जनार्दन बिजल्वाण, मोहनलाल बहुगुणा आदि का कहना है कि, बीते तीन दिन से मोटर बंद होने से फसल बाजार तक न पंहुचने से कास्तकारों को भारी आथिक नुकशान हो रहा है। उधर लोनिवि के ईई लोकेश का कहना है कि, सड़क चौड़ीकरण के चलते नई कंटिग से आए मलबे को मलबा साफ किया जा रहा है। जेसीबी मशीन सड़कों को खोलने का कार्य तेजी से कर रही हैं। कल (आज) दोपहर तक मोटर को मार्ग को खोल दिया जायेगा। (एजेंसी)

पालिका प्रशासन की टीम ने बाजार से अवैध ठेली, रेहड़ी की जब्त

विकासनगर। नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार को रेहड़ी, ठेली वालों के सत्यापन के लिए अभियान चलाया गया। अभियान के तहत एक लाइसेंस पर कई ठेली लगाए जाने का मामला सामने आया। इससे पूरे बाजार में ठेली वालों में हड़कंप मचा रहा। कई ठेलियां गलियों में खड़ी कर दी गई। पीछा करने पर पालिका प्रशासन की टीम के साथ ठेली वालों की तीखी नोक झोंक हुई। जिसके बाद बाजार चौकी पुलिस ने मामला शांत कराया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने ठेली वालों को कड़ी चेतावनी दी। बताया कि अवैध रेहड़ी, ठेली के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। पालिका की टीम में पवन कुमार, रविकांत, सुभाष आदि शामिल रहे।

यात्रा मार्ग पर संचालित कार्यो की नियमित मॉनिटरिंग की जाए

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने गुरूवार को वीसी के माध्यम से हेमकुंड यात्रा मार्ग पर संचालित अवस्थापना विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि यात्रा मार्ग पर संचालित निर्माण कार्यों में पर्याप्त संख्या में श्रमिक लगाते हुए जल्द से जल्द अवशेष कार्यों को पूर्ण करना सुनिश्चित करें। कनिष्ठ अभियंता की तैनाती करते हुए यात्रा मार्ग पर संचालित कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। यात्रियों की सुविधा के लिए पैदल मार्ग पर बैंच, साइनेज, यात्री शैड, स्टोन सेट पेवमेन्ट, घोडा पडावों पर शैड निर्माण एवं अन्य अवशेष कार्यों को शीघ्र पूरा करें। हेमकुंड साहिब में रेस्क्यू हैलीपैड और घोड़ा पड़ाव पर शैड निर्माण में भी तेजी लाते हुए सितंबर से पहले सभी कार्य पूर्ण किया जाए।

लोनिवि के अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा ने बताया कि पुलना से घांघरिया के किलोमीटर 0 से 9 तक रैलिंग लगाने तथा स्टोन सेट पेवमेंट, पैदल मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर रैन शैल्टर, चिकित्सा राहत केन्द्र, पुलना में दोनों पार्किंगों का निर्माण तथा पुलन-घांघरिया के किलोमीटर दो में डायवर्जन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। पैदल मार्ग पर मोड सुधारीकरण, रेलिंग व सतह की मरम्मत, यात्री शैड तथा घोडा पड़ाव में शैड निर्माण, हेमकुंड साहिब में बैंच, साइनेज, किलोमीटर व हेक्टोमीटर स्टोन लगाने का कार्य इस माह जुलाई तक पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही रेस्क्यू हैलीपैड का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है जिसे जल्द से जल्द तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में लोनिवि के अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा, अधिशासी अभियंता संजय सिन्हा, पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता परशुराम चमोली, गुरुद्वारा प्रबंधक सेवा सिंह आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के लिए चयन प्रक्रिया 24 जुलाई से

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के अन्तर्गत जिले में 08 से 14 आयु वर्ग के 150 बालक एवं 150 बालिकाओं की चयन प्रक्रिया 24 जुलाई से शुरू होगी। छः आयु वर्ग में आयोजित इस चयन प्रक्रिया में प्रत्येक आयु वर्ग के लिए 25 बालक एवं 25 बालिकाओं का चयन किया जाएगा। चयनित उभरते खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति के रूप में प्रति माह 1500 रुपये की पेंशन दी जाएगी।

जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने गुरूवार को जनपद स्तरीय चयन समिति की बैठक लेते हुए पारदर्शिता के साथ चयन प्रक्रिया को संपन्न कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि चयन प्रक्रिया के लिए व्यायाम प्रशिक्षकों की तैनाती, प्राथमिक चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा के लिए पीआरडी स्वयं सेवकों की तैनाती सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के तहत विद्यालय स्तर पर प्रधानाचार्य द्वारा 08 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के लिए प्रत्येक आयु वर्ग में 02 बालक एवं 02 बालिकाओं का न्याय पंचायत स्तर के लिए चयन किया जाएगा। इसके बाद 26 जुलाई से न्याय पंचायत व नगर पंचायत स्तर पर चयन प्रक्रिया में प्रत्येक आयु वर्ग में दो दो बालक बालिकाओं का चयन किया जाएगा। 28 जुलाई से नगर पालिका स्तर पर चयन प्रक्रिया में प्रत्येक आयु वर्ग में तीन तीन बालक एवं बालिकाओं का चयन किया जाएगा। विकास खंड स्तर पर 31 जुलाई से छह छह बालक एवं बालिकाओं का चयन किया जाएगा। विकासखंड देवाल, थराली, नारायणबगड एवं नगर पालिका परिषद गोपेश्वर के लिए 02 अगस्त से जनपद स्तरीय चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। विकासखंड गैरसैंण, कर्णप्रयाग, पोखरी एवं नगरपालिका परिषद गौचर तथा कर्णप्रयाग में 04 अगस्त तथा विकासखंड नन्दानगर, जोशीमठ, दशोली एवं नगर पालिका जोशीमठ में 07 अगस्त से जनपद स्तरीय चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। अपरिहार्य परिस्थितियों में छूटे हुए प्रतिभागियों के लिए 09 अगस्त की तिथि निर्धारित की गई है। जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एमएस खाती, मुख्य शिक्षा अधिकारी कुलदीप गैरोला, प्रभारी क्रीडा अधिकारी जयवीर सिंह रावत सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

डेढ़ माह में ढही पुरातत्व विभाग की दीवार

चमोली : आदिबदरी मंदिर से सटे निरीक्षण भवन के लिए लाखों की लागत से बनायी गयी पुरातत्व विभाग की दी डेढ़ माह बाद में ही जमींदोज हो गयी। जिससे स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष विजयेश नवानी में इसकी जांच की मांग उठाई है। लाखों की लागत से संरक्षित आदिबदरी मंदिर समूह से सटे जमीन पर पुरातत्व विभाग द्वारा हाल ही में निरीक्षण भवन के साथ ही दीवाल का भी निर्माण किया था। लेकिन यह दीवार गत दिवस भरभरा कर हाईवे पर गिर गयी। जिससे यहां विभाग द्वारा कराये गये विभिन्न निर्माण कार्यों व मरम्मत कार्यों की जांच की मांग उठने लगी है। आदिबदरी मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष विजयेश नवानी का कहना है कि जब दीवाल का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था .

सभी के सहयोग से होगा जनपद का विकास

टिहरी : शहर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने नव नियुक्त डीएम मयूर दीक्षित से मुलाकात कर जिले की कमान संभालने पर उन्हें शुभकामनायें देते हुए जिले के विकास को लेकर चर्चा की।

डीएम दीक्षित ने जनपद के विकास में सभी के सहयोग से जनपद को आगे बढ़ाने का भरोसा दिया।शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुलदीप पंवार के नेतृत्व में जनपद टिहरी गढ़वाल के वरिष्ठ कांग्रेसियों ने नव नियुक्त डीएम ने शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर जनपद के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए जनपद के विकास को लेकर चर्चा की।

जिस पर डीएम ने भरोसा दिया कि जनपद का विकास सभी सहयोग से किया जायेगा। इसके साथ ही जनपद के समस्याओं के निस्तारण के लिए भी हर स्तर पर प्रयास किया जायेगा। डीएम से मुलाकात करने वालों में शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप पंवार, पूर्व जिलाध्यक्ष शान्ति प्रसाद भट्ट, पूर्व जिलाध्यक्ष सूरज राणा, पूर्व विधान सभा प्रत्याशी नरेन्द्र चंद रमोला, पूर्व प्रमुख विजय गुनसोला, पूर्व प्रमुख सोबन सिंह नेगी, नगर पालिका अध्यक्ष चम्बा सुमना रमोला, महिला कांग्रेस की प्रदेश महामंत्री दर्शनी रावत, ब्लॉक अध्यक्ष चम्बा साब सिंह सजवान, खुशी लाल, पीसीसी डेलिगेट मुशर्रफ अली, देवेंद्र नौडियाल, लक्ष्मी रावत, ममता उनियाल, ज्योति प्रसाद भट्ट, जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष आनंद सिंह बेलवाल, पूर्व शासकीय अधिवक्ता विरेंद्र सिंह रावत, एडवोकेट कविता भट्ट, मुर्तजा बेग, श्याम लाल शाह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य निहाल सिंह नेगी,बीरेंदर दत्त, मोहन सिंह परमार आद शामिल रहे। (एजेंसी)

लगातार बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त

चमोली : चमोली जिले में लगातार हो रही बारिश से जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। बारिश से नारायणबगड़ विद्युत वितरण खंड के अतंर्गत आने वाले तीन विकासखंडो नारायणबगड़, थराली और देवाल के सैकड़ों गांवों की विद्युत आपूर्ति ठप हो गयी। विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त होने से जोशीमठ तपोवन के 20 गांवों की भी विद्युत सप्लाई बाधित हो गयी। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एनके जोशी ने बताया क्षतिग्रस्त विद्युत लाइनों को ठीक किया जा रहा है। बारिश और मलबा आने से नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया है।

गुरुवार को अलकनंदा, नन्दाकिनी और पिंडर नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है। (एजेंसी)

अपर बाजार के कई घरों पर मंडराया खतरा

चमोली : अपर बाजार रामलीला मैदान के आस पास के कई घर भूधंसाव से खतरे की जद में हैं।

स्थानीय निवासी अनिल खंडूड़ी, आदित्य नवानी ने बताया कि गुरुवार को लगातार हो रही बारिश के चलते घरों के नीचे की पहाड़ी से पत्थर खिसकने लगे हैं। हालात यह हैं कि पत्थर सीधे नैनीताल हाईवे पर बरसने लगे। लगातार गिरते पत्थरों से नैनीताल हाईवे पर यातायात सहित पैदल आवागमन भी जोखिम भरा हो गया है।

केदारनाथ हाईवे भटवाड़ी सैंण के पास बंद, खोलने का काम जारी

रूद्रप्रयाग : बीते तीन दिनों से चल रही भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे भटवाड़ी सैंण सहित कई अन्य जगहों पर बंद रहा। एनएच द्वारा हाईवे खोलने का काम जारी रहा, किंतु दिनभर मलबा प्रभावित हाईवे पर आवाजाही नहीं हो सकी। हालांकि बदरीनाथ हाईवे सिरोबगड़ के पास दोपहर बाद खुल गया। इस दौरान यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा।लगातार हो रही बारिश कहर बनकर टूट रही है। गुरुवार को जनपद में केदारनाथ हाईवे भटवाड़ सैंण के साथ ही मुनकटिया में बंद रहा। जबकि तरसाली और अन्य जगहों पर भी मलबा आता रहा। भटवाड़ी सैंण में अत्यधिक स्थिति खराब रही। यहां वाहन दिनभर आवाजाही नहीं कर सके। जबकि सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच मुनकटिया में भी मार्ग बंद रहा। यहां भी दिनभर आवाजाही नहीं हो सकी। गौरीकुंड में भी मलबा आने से मार्ग प्रभावित रहा। पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे ने हाईवे बंद होने की स्थिति में पुलिस को यात्रियों से सुरक्षित स्थानों पर ठहरने की अपील करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वयं विभिन्न स्थानों पर जाकर स्थिति का जायजा लिया। पहाड़ियों से पत्थर गिरने के भय को देखते हुए कोतवाली निरीक्षक जयपाल नेगी ने जवाड़ी बाईपास पर करीब 5 सौ से अधिक कावड़ यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया जबकि सिरोबगड़ में मार्ग खुलने की स्थिति में ही उन्हें वापस भेजा गया।

अतिरिक्त भवन किराया माफ करने में मोर्चा को मिली सफलताः रघुनाथ

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी का कहना है कि नगर पालिका परिषद, विकास नगर के वित्तीय वर्ष 2005–06 से 2015–16 तक कालातीत भवन कर में 2.5 प्रतिशत अतिरिक्त छूट को शासन स्तर पर स्वीकृति मिल गई है। लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के चलते इसका लाभ लेने से कई लोग तब वंचित हो गए। आदेश के देरी से मिलने के कारण कई लोग भवन कर जमा कर चुके है। मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि भवन कर में 2.5 प्रतिशत छूट दिलाने के लिए मोर्चा ने तीन वर्ष तक संघर्ष किया। जिसके बाद शासन ने 30 मार्च 2022 को निदेशक, शहरी विकास को कार्रवाई के निर्देश दिए। जिस पर निदेशक ने 7 अप्रैल 2022 को अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका, विकासनगर को प्रकरण निस्तारित करने के निर्देश दिए।

अजय अध्यक्ष तो अनिल बनें उपाध्यक्ष

श्रीनगर गढ़वाल : केमिस्ट एसोसिएशन श्रीनगर की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अजय काला को अध्यक्ष, अनिल ढौंडियाल को उपाध्यक्ष, सौरभ पांडे को सचिव, मनीष भट्ट को सहसचिव व दिनेश चौहान को कोषाध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर पुरानी कार्यकारिणी ने सालभर का लेख जोखा प्रस्तुत किया। नव नियुक्त अध्यक्ष अजय काला ने सभी नए पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन के हितों की रक्षा आमजन को अधिकाधिक लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया। (एजेंसी)

रोड़ कटिंग का मलबा नदी में डालने पर कार्यदायी संस्था पर होगी कड़ी कार्यवाही

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद में अवस्थित नदियों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा उनकी बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के लिए मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार की अध्यक्षता में जिला कार्यालय एनआईसी कक्ष में संबंधित अधिकारियों के साथ जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को नदियों में कूड़ा व मलवा को प्रवाहित न करने हेतु लोगों को जागरूक करने व नदियों को स्वच्छ रखने के निर्देश दिए। बैठक में नरेश कुमार ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनपद में अवस्थित नदियों की बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, नदियों में किसी भी दशा में आम जनमानस द्वारा कूड़ा-करकट न फेंका जाए। इस पर सभी अधिशासी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत कड़ी निगरानी रखें। उन्होंने जनपद के घाटों में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने सड़क निर्माण का कार्य कर रही कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए हैं सड़क निर्माण कार्य के दौरान सड़क का मलवा किसी भी दशा में नदी में न डाला जाए, यदि किसी कार्यदायी संस्था द्वारा रोड़ कटिंग का मलबा नदी में डाला जाता है तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं	T-10-TRD-MB-23-24
कार्य का नाम	हरिद्वार, कटघर, बरेली, हापुड़ में नए एस०एस०पी० का प्रावधान और पंडित राम प्रसाद विस्मिल एवं शाहजहाँपुर में एस०एस०पी० के संवर्धन के साथ मुरादाबाद मंडल में यार्ड और ब्लॉक खंडों में सेक्शनिंग का कार्य
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	04.08.2023 at 15:00 hrs
कार्य की अनुमानित लागत	Rs. 4,99,48,441/- (18% GST सहित)
बिड सिक्यूरिटी राशि	Rs. 3,99,800/-
निविदा प्रपत्र मूल्य	शून्य
ऑफर की वैधता (दिन)	60 दिन
कार्य पूरा करने की अवधि	12 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद

निविदा सूचना स.: Elect/TRD/MB/2023-24/TN-09 दिनांक: 13.07.2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2141/23

सम्पादकीय

यात्रा स्थगन सबसे बेहतर विकल्प

मानसून के बीच उत्तराखंड में चार धाम यात्रा का आयोजन और कावड़ यात्रा चल रही है। भारी बरसात के कारण प्राकृतिक आपदा भी बरस रही है जिसने कई रास्तों को बंद कर दिया है तो घरों से लेकर सड़कों तक में पानी बह रहा है। मैदान के क्षेत्र जलभराव की चपेट में है तो पहाड़ों से कब मलबे के रूप में मौत बरस कर आ जाए कुछ कहा नहीं जा सकता। इस सबके बीच लगातार प्रदेश का राहत तंत्र नागरिकों की सुरक्षा से संघर्ष कर रहा है। दिक्कत यह है कि प्राकृतिक स्थिति अनुकूल ना होने के बावजूद भी यात्री चार धाम दर्शनों के लिए रुकने को तैयार नहीं है। विभिन्न माध्यमों से लोगों को बरसात होने तक यात्रा स्थगित करने की सलाह दी गई है लेकिन इसके बावजूद भी यात्रियों का चार धाम आना बेहद चिंताजनक है। इन परिस्थितियों में यात्रा का फैसला लेना काफी जोखिम भरा हो सकता है क्योंकि पहले ही उत्तराखंड में गत एक सप्ताह से हो रही बारिश के कारण समूचा जनजीवन तंत्र ठप पड़ा हुआ है। शैक्षिक संस्थाएं बंद है तो परिवहन व्यवस्थाएं भी बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं। तमाम पहाड़ी व मैदानी क्षेत्र आपदा ग्रस्त स्थिति से जूझ रहे हैं और अब तक 18 लोगों की जान जा चुकी है। प्रदेश के हालात खुद बता रहे हैं कि ऐसी स्थिति में यात्रा का जोखिम ना लिया जाए और यात्रा से फिलहाल दूर रहकर स्थानीय राहत तंत्र को भी सहयोग किया जाए। पहाड़ी रास्ते बेहद खतरनाक बने हुए हैं तो भूस्खलन के कारण कई सड़कों का तो नामोनिशान ही मिट गया है। उत्तराखंड की चार धाम यात्रा और कावड़ यात्रा राज्य की पूरी मशीनरी को हिला देने के लिए काफी होती है और यदि ऐसे समय में बरसात का प्रकोप काबू से बाहर हो जाए तो समूची व्यवस्थाएं प्रभावित हो जाती हैं। यात्रियों को स्वविवेक से यह निर्णय लेना चाहिए कि वह फ़िलिहाल बरसात के मौसम में अपने घर से किसी भी यात्रा के लिए निकलना स्थगित करें ताकि ना केवल वह खुद सुरक्षित रहें बल्कि उनके कारण होने वाली परेशानियों से संबंधित राज्यों की व्यवस्थाएं भी प्रभावित ना हो। उत्तराखंड का आपदा प्रबंधन विभाग यात्रा के अपडेट को लेकर नियमित तौर से जानकारियां उपलब्ध करा रहा है साथ ही प्रदेश पुलिस व स्वयं मुख्यमंत्री ऐसे समय में यात्रा ना करने की अपील भी श्रद्धालुओं से कर रहे हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाएं कभी भी विकराल रूप धारण कर लेती है और तमाम आपदा राहत सतर्कता तथा चक चौबंद व्यवस्थाएं होने के बावजूद भी जान माल की हानि को रोका नहीं जा सत्ता है। बचाव का सर्वश्रेष्ठ विकल्प यही है कि ऐसे समय में स्थानीय तंत्र के साथ सहयोग करते हुए यात्रा को स्थगित किया जाए एवं सुरक्षित स्थानों को प्राथमिकता में रखा जाए। व्यवस्थाओं की बात करें तो प्रत्येक राज्य की अपनी एक सीमा होती है और उसी के तहत भीड़ तंत्र का खाका तैयार किया जाता है, लेकिन अक्सर मौसम या फिर दूसरे कारणों से व्यवस्थाएं छिन्न–भिन्न होने लगती है जिससे अक्सर अनियंत्रण की स्थिति भी बन जाती है। अपने पसंदीदा स्थानों या फिर धार्मिक स्थलों की यात्रा से पूर्व स्थानीय प्राकृतिक स्थिति का आकलन करना सबसे बेहतर सुरक्षा का विकल्प है।

मोदी सरकार के नौ साल – विद्युत क्षेत्र का संपूर्ण कायाकल्प

जलविद्युत क्षेत्र, जो मंद पड़ा था, को लगभग 15 गीगावॉट की निर्माणाधीन परियोजना के साथ फिर से सक्रिय किया गया है। विद्युत चालित वाहनों (ईवी) के लिए चार्जिंग संबंधी अवसंरचना स्थापित करने के नियमों व दिशानिर्देशों को सरल बनाया गया है और घरेलू कनेक्शन से चार्जिंग संभव हो गई है। विवाद समाधान तंत्र अब एक महीने के भीतर विवाद का निपटारा करता है। संक्षेप में, मोदी सरकार ने विद्युत क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव किए हैं। उत्पादन क्षमता के विस्तार, पारेषण (ट्रांसमिशन) नेटवर्क के प्रसार, बिजली को सुलभ बनाने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और व्यापक सुधारों को लागू करने पर ध्यान देकर भारत ने इस क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। पर्यावरण, ऊर्जा दक्षता और सतत विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता ने भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित किया है।

आर.के. सिंह

पिछले नौ वर्षों के दौरान, मोदी सरकार ने विद्युत क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलावों को संभव बनाया है। निरंतर लोड शेडिंग और बिजली की कमी वाले दिन अब इतिहास हो गए हैं। वर्ष 2014–15 से पहले, बिजली की आपूर्ति में होने वाला घाटा आश्चर्यजनक रूप से 4.5 प्रतिशत था। हालांकि, 2014 में इस सरकार के कार्यभार संभालने के बाद से बिजली उत्पादन क्षमता में 185 गीगावॉट की प्रभावशाली वृद्धि की गई है। इसके साथ भारत बिजली की कमी वाले देश की जगह अधिशेष बिजली वाला देश बन गया है। आज हमारी कुल स्थापित क्षमता 417 गीगावॉट है, जोकि 222 गीगावॉट की चरम मांग से लगभग दोगुनी है। परिणामस्वरूप, भारत अब पड़ोसी देशों को बिजली का निर्यात कर रहा है।

पारेषण (ट्रांसमिशन) के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्ष 2013 के बाद से, लगभग दो लाख सर्किट किलोमीटर तक फैली पारेषण लाइनों का एक व्यापक नेटवर्क स्थापित किया गया है जो पूरे देश को एक ही आवृत्ति (फ्रीक्वेंसी) पर संचालित होने वाले एक एकीकृत ग्रिड से जोड़ता है। इन पारेषण लाइनों में 800 केवी एचवीडीसी जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया गया है और ये समुद्र तल से 15000/16000 फीट की ऊंचाई पर स्थित श्रीनगर – लेह लाइन सहित कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण व दुर्गम इलाकों से होकर गुजरती हैं। देश के एक कोने से दूसरे कोने तक 112 गीगावॉट बिजली स्थानांतरित करने की क्षमता ने भारत को एक एकीकृत बिजली बाजार में बदल दिया है, बिजली स्थानांतरित करने की यह क्षमता 2014 में मात्र 36 गीगावॉट की थी। स्थानांतरण की इस क्षमता की सहायता से वितरण कंपनियों को देश भर में किसी भी उत्पादक कंपनी से प्रतिस्पर्धी दरों पर अधिकतम बिजली खरीदने की सहूलियत मिल गई है। इसके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर बिजली मिलने लगी है।

सभी लोगों तक बिजली पहुंचाना इस सरकार के प्रयासों का एक प्रमुख फोकस रहा है। हमारी सरकार के सत्ता में आने से पहले, आज़ादी के 67 साल बाद भी 18,000 से अधिक गांव और कई बस्तियां बिजली से वंचित थीं। अगस्त 2015 में, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 1000 दिनों के भीतर हर गांव को विद्युतीकृत करने के लक्ष्य की घोषणा की थी। पहाड़ी क्षेत्रों और रेगिस्तानी इलाकों में लॉजिस्टिक से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, सरकार ने निर्धारित समय से 13 दिन पहले, केवल 987 दिनों में ही यह लक्ष्य हासिल कर लिया। इस उपलब्धि को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने 2018 में ऊर्जा क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण खबर के रूप में मान्यता दी थी।

इस सफलता को आधार बनाकर आगे बढ़ते हुए, सरकार ने हर घर को बिजली से जोडने़ का लक्ष्य रखा। उल्लेखनीय तरीके से, यह लक्ष्य 18 महीनों के भीतर ही हासिल कर लिया गया और कुल 2.86 करोड़ घरों को बिजली से जोड़ा गया। बिजली पहुंचाने की दिशा में यह तेज प्रसार ऊर्जा क्षेत्र के इतिहास में अभूतपूर्व है, जिसे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी से मान्यता मिली है। मोदी सरकार की नीति यह सुनिश्चित करने की है कि कोई भी पीछे न छूटे।

वितरण प्रणालियों को मजबूत करने के उद्देश्य से, सरकार ने सभी राज्यों में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृत

लागत से व्यापक योजनाएं लागू कीं। इन योजनाओं में नए सबस्टेशनों का समावेश करना, मौजूदा सबस्टेशनों को उन्नत करना, ट्रांसफार्मर की स्थापना और हजारों किलोमीटर लंबी एलटी व एचटी लाइनों का निर्माण एवं उन्हें बदलना शामिल था। इन प्रयासों की सहायता से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की औसत उपलब्धता 2015 में 12 घंटे से बढक़र आज 22.5 घंटे हो गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में अब औसतन 23.5 घंटे बिजली की आपूर्ति हो रही है। परिणामस्वरूप, डीजी सेट का बाज़ार अब समाप्त हो गया है!

सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा पर अपना ध्यान केन्द्रित करके पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की है। वर्ष 2015 में, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2022 तक 175 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के लक्ष्य की घोषणा की थी। वर्तमान में, कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों के तहत अतिरिक्त 84 गीगावॉट के साथ भारत ने 172 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित की है। इस विकास ने भारत को नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में सबसे तेजी से आगे बढने़ वाले देश के रूप में स्थापित किया है। अपनी इस ख्याति के कारण भारत ने दुनिया भर के प्रमुख कोषों से निवेश को आकर्षित किया है। इसके अलावा, भारत ने निर्धारित समय से नौ साल पहले ही 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से 40 प्रतिशत बिजली उत्पादन क्षमता की अपनी प्रतिबद्धता हासिल कर ली है। वर्तमान में, स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता का 43 प्रतिशत हिस्सा यानी कुल 180 गीगावॉट गैर–जीवाश्म ईंधन स्त्रोतों से आता है।

सरकार उत्सर्जन की तीव्रता को कम करने में भी सफल रही है। वर्ष 2005 के स्तर की तुलना में उत्सर्जन की तीव्रता को 33 प्रतिशत – 35 प्रतिशत तक कम करने के लक्ष्य को हासिल करके, भारत ने खुद को वैश्विक तापमान में 2–डिग्री से कम वृद्धि करने के विचार के अनुरूप चलने वाले एकमात्र जी–20 देश और प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है, उजाला (एलईडी वितरण), 'प्रदर्शन करें, उपलब्धि हासिल करें और व्यापार करें' [परफॉर्म, अचीव एंड ट्रेड (पीएटी)], उपकरणों के लिए स्टार रेटिंग कार्यक्रम और ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र जैसे विभिन्न कार्यक्रमों ने कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में प्रति वर्ष 159 मिलियन टन की कमी लाने में योगदान दिया है। व्यावसायिक और आवासीय भवनों में ऊर्जा संरक्षण के उद्देश्य से तैयार किया गया बिल्डिंग कोड इस दिशा में एक और बड़ा कदम है। हमने अब 2005 के स्तर के मुकाबले 2030 तक अपने कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को एक बिलियन टन और हमारी अर्थव्यवस्था की ऊर्जा तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करने का संकल्प लिया है। इन लक्ष्यों को भी हम 2030 से पहले हासिल कर लेंगे।

संपूर्ण विद्युत क्षेत्र में व्यापक सुधार लागू किये गये हैं। वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) में दक्षता और वित्तीय अनुशासन में सुधार लाने हेतु वित्तपोषण को एटीएंडसी संबंधी नुकसान में कमी के साथ जोडऩा, ऊर्जा लेखांकन और ऑडिट को लागू करना तथा राज्य सरकारों द्वारा सब्सिडी का समय पर भुगतान सुनिश्चित करना जैसे विभिन्न उपाय किए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप, डिस्कॉम कंपनियों का एटीएंडसी संबंधी नुकसान वित्तीय वर्ष 2021 में 22 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2022 में 16.44 प्रतिशत रह गया है। डिस्कॉम कंपनियों के यहां बिजली उत्पादन करने वाली कंपनियों (जेनकॉस) का विरासती बकाया घटकर लगभग आधा – 1.4 लाख करोड़ रुपये से 80 हजार करोड़ रुपये – हो गया है। डिस्कॉम कंपनियों द्वारा ली जाने वाली बिजली के लिए किया जाने वाला वर्तमान भुगतान अद्यतन है।

सबसे कुशल उत्पादन स्टेशनों को पहले शेड्यूल करने संबंधी लचीलेपन की अनुमति देकर, हमने उपभोक्ताओं के लिए बिजली की लागत कम कर दी है। 'रीयल–टाइम मार्केट' की शुरूआत के जरिए और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए अलग–अलग 'टर्म अहेड' और 'डे–अहेड मार्केट' स्थापित करके बिजली के बाजार का विस्तार भी किया गया है।

ऊर्जा रूपांतरण की दिशा में प्रयास के तहत, हमने ताप विद्युत संयंत्रों में तापीय ऊर्जा के साथ नवीकरणीय ऊर्जा की बंडलिंग और बायो–मास को–फायरिंग की अनुमति दी है। 100 किलोवाट या इससे अधिक जुड़े भार वाला कोई भी उपभोक्ता अब ऐसे उत्पादन संयंत्रों से नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त कर सकता है। सरकार पीएलआई के जरिए सौर पीवी सेल के उत्पादन और व्यवहार्यता अंतर वित्त पोषण के साथ बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली को समर्थन प्रदान कर रही है।

जलविद्युत क्षेत्र, जो मंद पड़ा था, को लगभग 15 गीगावॉट की निर्माणाधीन परियोजना के साथ फिर से सक्रिय किया गया है। विद्युत चालित वाहनों (ईवी) के लिए चार्जिंग संबंधी अवसंरचना स्थापित करने के नियमों व दिशानिर्देशों को सरल बनाया गया है और घरेलू कनेक्शन से चार्जिंग संभव हो गई है। विवाद समाधान तंत्र अब एक महीने के भीतर विवाद का निपटारा करता है।

संक्षेप में, मोदी सरकार ने विद्युत क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव किए हैं। उत्पादन क्षमता के विस्तार, पारेषण (ट्रांसमिशन) नेटवर्क के प्रसार, बिजली को सुलभ बनाने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और व्यापक सुधारों को लागू करने पर ध्यान देकर भारत ने इस क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। पर्यावरण, ऊर्जा दक्षता और सतत विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता ने भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित किया है। नवीकरणीय ऊर्जा के मामले में और उंचे लक्ष्य तथा उत्सर्जन में और अधिक कटौती करने के इरादे के साथ, मोदी सरकार ने भारत के विद्युत क्षेत्र के भविष्य को सशक्त बनाने की दिशा में कदम बढ़ाना जारी रखा है।

स्वीडन की सदस्यता और तुर्की का मोलभाव!

श्रुति व्यास

नाटो शिखर सम्मेलन की शुरुआत खुशनुमा माहौल में हुई। चेहरे खिले हुए थे और गर्मजोशी से हाथ मिलाए जा रहे थे। 'आल इज वेल' और 'हम सब एक हैं' के संदेश देने का भरपूर प्रयास हो रहा था।

अपने नजरिए में नाटकीय बदलाव लाते हुए तुर्की ने स्वीडन के नाटो में शामिल होने पर अपना वीटो वापस ले लिया। इससे यह उम्मीद बंधी है कि एक साल से अधिक समय से खिंच रहा यह मसला अब खत्म हो जाएगा। मतलब यह कि तुर्की की जिद के कारण एक साल से देहरी पर खड़ा स्वीडन नाटो का 32वां सदस्य बनने जा रहा है। इससे बाल्टिक सागर, नाटो देशों से घिरी एक झील बन जाएगा।

नाटो के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग, तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तय्यब अदीआन और स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिसटेरसन की मुलाकात के बाद यह खबर आई। यह बैठक तीनों पक्षों के बीच कई हफ्तों तक चली कूटनीतिक चर्चाओं के बाद हुई थी।

इसमें संदेह नहीं कि यह खबर अचंभित करने वाली थी। रविवार को ही तय्यब अदीआन और जो बाइडेन की बातचीत हुई थी और बाइडेन, अदीआन को स्वीडन की सदस्यता का विरोध न करने के लिए राजी करने में सफल हुए। अदीआन जम कर सौदेबाजी करने के लिए जाने जाते हैं और वे कब क्या कर दें इसका कोई भरोसा नहीं रहता। तो फिर तुर्की ने अपनी जिद क्यों छोड़ी? पहला कारणः नाटो के 10 जुलाई को प्रकाशित वक्तव्य से लगता है कि स्वीडन ने उन कुर्द आंदोलनकारियों के खिलाफ कदम उठाने का वादा किया है, जिन्हें तुर्की आतंकवादी मानता है और नाटो तुर्की की चिंताओं के मद्देनजर ''आतंकवाद निरोधक विशेष समन्वयक'' नाम से एक नया पद बनाने के लिए तैयार हो गया है। समाचार एजेंसी 'ब्लूमबर्ग' ने खबर दी है कि यूरोपीय यूनियन, वीजा मुक्त यात्रा और खुले बाजार के मामलों में भी तुर्की को छूट देने के लिए राजी हो गया है।

दूसरा कारणः यह माना जा रहा है– हालांकि यह स्पष्ट नहीं हैझ कि जो बाइडेन ने तुर्की को वह देने की पेशकश की है जो अदीआन चाहते थे। अदीआन अमरीका से एफ–16 लड़ाकू विमान चाहते थे और इसके लिए स्वीडन के मुद्दे को लेकर सौदेबाजी करने के मूड में थे। बाइडेन ने स्वीडन के नाटो में प्रवेश की दिशा में उठाए गए इस पहले कदम का स्वागत करते हुए जो छोटा सा वक्तव्य जारी किया उसमें विमानों के मामले का कोई जिक्र नहीं है लेकिन तुर्की की सरकारी न्यूज एजेन्सी 'अनाडुलू' ने कहा कि अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने विमान दिए जाने का समर्थन किया है।

तीसरा कारणः जो ज्यादा बड़ा है। नाटो सम्मेलन के लिए रवाना होते समय हवाईअड्डे पर प्रेस से बातचीत में तुर्की के राष्ट्रपति ने कहा, "पहले तुर्की के यूरोपीय संघ में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त हो उसके बाद हम स्वीडन का रास्ता आसान बनाएंगे, जैसा कि हमने फिनलैंड के मामले में किया था"। तुर्की सन् 1987 से यूरोपीय संघ, ईयू में शामिल होने के लिए वार्ताएं कर रहा है लेकिन अदीआन के शासनकाल में सन् 2018 से देश में तानाशाही शासन और मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामले बढने़ के मद्देनजर वार्ताएं बंद हैं। रिश्तों में कड़वाहट की शुरुआत सन् 2015 के प्रवासी संकट से शुरू हुई थी जब ईयू के सदस्यों ने अदीआन पर कूटनीतिक ब्लैकमेल करने के आरोप लगाए थे। नवंबर 2016 में जब अदीआन ने अपने विरोधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए और उस साल हुए असफल विद्रोह में उनका हाथ होने का आरोप लगाए तब यूरोपीय संसद ने चर्चाएं स्थगित करने के पक्ष में मतदान किया। तब से तुर्की को ईयू में शामिल करने के प्रति न तो कोई उत्साह दिखाया गया और ना ही कोई इच्छा।

यदि तुर्की में हाल में हुए चुनावों में उदारवादी छवि वाले कमाल किलिकडारोग्लू की जीत हुई होती तो शायद तुर्की के साथ अलग व्यवहार होता। इसमें कोई संदेह नहीं कि अंतिम समय में हुए अदीआन के 'ह्दय परिवर्तन' की कीमत बाकायदा चुकाई गई है।

मणिपुर पर मोदी मौन क्यों ?

आज हमें शौक तो यह है कि दुनिया हमें विश्व गुरु कहें। मगर अपने ही देश में हम जिस तरह हिंसा, नफरत, विभाजन, असहिष्णुता बढ़ा रहे है उसके बाद क्या हम दुनिया से कुछ कहने लायक बचते हैं? अमेरिका के राजदूत ने यहां दिल्ली में कहा। वहां अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने जिनसे मोदी जी बराक बराक कहकर बात करते हुए बहुत दोस्ती का दावा करते थे उन्होंने भारत के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में चिंता व्यक्त की। हम अपनी पीठ खुद ठोकते हुए कहते हैं कि देश में 2014 से पहले पैदा होना शर्म की बात हुआ करती थी। तब यह कोई देश था! अब 2014 के बाद भारतीय होना गर्व की बात है। कहने को तो हम कुछ भी कह सकते हैं। उर्जा की जरुरत नाले से गैस निकलाकर पूरी कर सकते हैं। मगर सच यह है कि जिस चीन ने गलवान में हमारे बीस जवानों को मारा जमीन पर कब्जा कर लिया उसकी मुद्रा युआन को हम तेल के बदले रूस को देकर उसे अन्तराष्ट्रीय मान्यता दिला रहे हैं।

शकील अख्तर

हम अभी तक नहीं समझ पाए कि देश के प्रधानमंत्री देश के ही एक हिस्से में दो महीने से ज्यादा समय से चल रही भयानक हिंसा के बाद भी अभी तक उस पर क्यों नहीं बोले? क्या यह आजादी के बाद का सबसे बड़ा और दुखद आश्चर्य नहीं है? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा और गोदी मीडिया रोज पूछते हैं कि सत्तर साल में क्या हुआ? सत्तर साल में कम से कम यह तो नहीं हुआ कि देश का एक राज्य इतने लंबे समय तक हिंसा की आग में जलता रहे और प्रधानमंत्री उस राज्य का पहला अक्षर म भी नहीं बोल पाएं।

क्या कारण है? कोई बता सकता है? क्या मणिपुर में गुजरात पार्ट– 2 किया जा रहा है? नरसंहार तो उसी तरह हो रहा है। फर्क बस इतना है कि उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने गुजरात जाकर उस समय के मुख्यमंत्री से कहा था कि राजधर्म निभाओ! यह अलग बात है कि उसके बाद भी राजधर्म नहीं निभाया गया। और हिंसा चलती रही। मगर यहां मणिपुर में तो कहा तक नहीं गया।

गुजरात आज भी मोदी जी का पीछा कर रहा है। वे विदेश में जहां भी जाते हैं गुजरात पर बनी बीबीसी की फिल्म वहीं दिखाई जाती है। अमेरिका में दिखाई गई और आस्ट्रेलिया की संसद में दिखाई गई। भारत में मोदी सरकार ने उसे बेन कर दिया। बीबीसी के दफ्तर पर छापे मारे। मगर उससे फिल्म रुकी नहीं बल्कि और ज्यादा देखी और दिखाई जाने लगी।

क्या मणिपुर में फिल्म नहीं बनेगी? और उसमें यह सवाल नहीं उठेगा कि भारत के प्रधानमंत्री आखिर मणिपुर पर क्यों नहीं बोले? भाजपा के नेताओं और गोदी मीडिया ने तो दावा किया था कि मोदी ने रूस युक्रेन युद्ध रुकवा दिया था। तो अगर दो देशों के बीच युद्ध रुकवा सकते हैं तो मणिपुर में दो समुदायों के बीच हिंसा क्यों नहीं रुकवा रहे? वहां के बारे में तो जितना लिखा जाए कम है! सेना के हाथों से भीड़ आरोपियों को छुड़ा कर ले जा रही है। थानों से हथियार लूटे जा रहे हैं। सुरक्षा बलों पर हमले हो रहे उन्हें मारा जा रहा है। पूरा राज्य दो समुदायों में विभाजित हो गया है।

अफसर, पुलिस वाले, नेता कोई अगर सुरक्षित है तो केवल अपने समुदाय के बीच। उसके बाहर निकले तो खतरा है। पूरा गृह युद्ध हो रहा है।

अमेरिका तक को कहना पड़ा कि क्या हम मदद करें? इससे ज्यादा शर्मनाक और क्या होगा। 1971 में भी अमेरिका ने कहा था। जब भारत के किसी राज्य का मामला नहीं था भारत में आ रहे पूर्वी पाकिस्तान के शरणार्थियों की समस्या थी। मगर इन्दिरा गांधी ने क्या जवाब दिया था?

उन्होंने अमेरिका के किसी भारत स्थित राजदूत को नहीं सीधे अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन से कहा था कि भारत से कुछ कहने की जरूरत नहीं। कहना है तो सीधे पाकिस्तान से कहिए कि वे पूर्वी बंगाल में अत्याचार बंद करे। ताकि वहां से शरणार्थी भारत न आएं। और अगर उनसे नहीं कह सकते हैं तो हम कार्रवाई करेंगे और शरणार्थियों को वापस भेजने की व्यवस्था करेंगे। और वही इन्दिरा गांधी ने किया। बांग्ला देश को आजाद करवाया और शरणार्थियों को वापस भेजा। उस समय लाखों शरणार्थी भारत आ गया था और देश के लिए एक बड़ी समस्या बन गई थी।

फिलहाल तो मणिपुरी अपने देश में शरणार्थी हुए हैं मगर फिर भी अमेरिका के भारत स्थित राजदूत एरिक गार्सेटी ने टिप्पणी कर दी। कांग्रेस ने कहा कि सत्तर साल में यह कभी नहीं हुआ। किसी विदेशी राजदूत की हिम्मत भारत के आन्तरिक मामले में दखल देने की नहीं हुई।

आज हमें शौक तो यह है कि दुनिया हमें विश्व गुरु कहें। मगर अपने ही देश में हम जिस तरह हिंसा, नफरत, विभाजन, असहिष्णुता बढ़ा रहे है उसके बाद क्या हम दुनिया से कुछ कहने लायक बचते हैं? अमेरिका के राजदूत ने यहां दिल्ली में कहा। वहां अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने जिनसे मोदी जी बराक बराक कहकर बात करते हुए बहुत दोस्ती का दावा करते थे उन्होंने भारत के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में चिंता व्यक्त की।हम अपनी पीठ खुद ठोकते हुए कहते हैं कि देश में 2014 से पहले पैदा होना शर्म की बात हुआ करती थी। तब यह कोई देश था! अब 2014 के बाद भारतीय होना गर्व की बात है। कहने को तो हम कुछ भी कह सकते हैं। उर्जा की जरुरत नाले से गैस निकलाकर पूरी कर सकते हैं। मगर सच यह है कि जिस चीन ने गलवान में हमारे बीस जवानों को मारा जमीन पर कब्जा कर लिया उसकी मुद्रा युआन को हम तेल के बदले रूस को देकर उसे अन्तराष्ट्रीय मान्यता दिला रहे हैं।

अपनी मुद्रा रुपए की अब कोई चिन्ता नहीं है। 2014 से पहले कहते थे कि रुपए का अवमूल्यन भारत के प्रधानमंत्री का अवमूल्यन है। मगर अब तीसरे देश की मुद्रा में भुगतान करके देश की मुद्रा रुपए की कीमत और गिरा रहे हैं। इससे पहले विदेश व्यापार में यह होता था कि या तो अपनी मुद्रा दी जाती थी या उस देश की मुद्रा। तीसरे देश और वह भी जो पिछले पांच सालों से लगातार घुसपैठ कर रहा हो धमकियां दे रहा हो उसकी मुद्रा की अन्तरराष्ट्रीय कीमत बढ़वाने का क्या मतलब है?

जैसे मणिपुर पर मौन है ठीक वैसा ही चीन पर। अंदर आया, हमारे जवान मारे, घुस कर बैठ गया। पुल, बंकर, पक्की सडक़ें बनाईं। मगर हमारे प्रधानमंत्री ने कहा कि न कोई आया है और न कोई है। इसका कारण भी आज तक किसी की समझ में नहीं आया है कि चीन हमारे जवान मार रहा है। अरुणाचल के बार्डर पर गांव बसा रहा है। जहां घुसपैठ कर ली है वहां से हिलता नहीं है और हम उसे अपने हर निर्माण कार्य के ठेके देने, लगातार आयात बढ़ाते जाने के बाद अब अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी मुद्रा युआन को भी मजबूत कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी चाहे चीन पर न बोलें, मणिपुर पर न बोलें मगर राहुल गांधी न केवल बोल रहे हैं बल्कि मणिपुर होकर भी आ गए। मणिपुर के पीड़ितों को एक ढाढस मिला, हिम्मत मिली कि देश में कोई है जिसे उनकी फिक्रहै। प्रधानमंत्री तो देश का नेता कहलता है। मगर मोदी के पास चुनावों में प्रचार करने और वहां विपक्ष पर आरोप लगाने का समय तो है। देश को सौ साल का लक्ष्य भी बता रहे हैं। कह रहे हैं कि हम कर्तव्यों को पहली प्राथमिकता देते हैं। अब प्रेस कान्फ्रेंस तो करते नहीं कि कोई पूछे कि क्या मणिपुर कर्तव्य की श्रेणी में नहीं आता है?क्या बेरोजगार युवा की बात करना, महंगाई की बात करना, किसान की, मजदूर की, गरीब, मध्यम वर्ग की आवाज उठाना केवल राहुल का कर्तव्य है? मणिपुर भी उनकी जिम्मेदारी है? कैसे? केवल इसी वजह से कि उनके पर दादा नेहरू ने मणिपुर का विलय भारत में करवाया था? 1947 में मणिपुर भारत का हिस्सा नहीं बना था। 1949 में नेहरू ने मणिपुर का भारत में विलय करवाया था। तो क्या वह अब प्रधानमंत्री मोदी की जिम्मेदारी नहीं है?

कुछ कुछ समझ में आ रहा है। 1947 में देश कांग्रेस के नेतृत्व में हुए स्वतंत्रता संग्राम के बाद आजाद हुआ था। तो क्या इसलिए कहा जाता है कि उसके बाद भारत में पैदा होना शर्म की बात थी! क्या इसलिए कहा गया कि देश 1947 में नहीं 2014 में आजाद हुआ! जो भी हो। उनकी माया वो ही जानें! फिलहाल तो यह है कि कहा गया कि हम अब कर्तव्यकाल में है। तो कर्तव्य केवल जनता के। और सरकार के केवल अधिकार। जाएं न जाएं मणिपुर हमारा अधिकार, हमारी मर्जी!

पीएम मोदी फ्रांस व यूएई के लिए रवाना, संबंधों में और प्रगाढ़ता की जताई उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात के दौरे पर रवाना हुए।

इस दौरान मोदी ने कहा, मैं अपने मित्र और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के निमंत्रण पर 13-14 जुलाई तक फ्रांस की आधिकारिक यात्रा पर हूं।

यह यात्रा विशेष रूप से विशेष है, क्योंकि मैं फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस या पेरिस में बैस्टिल दिवस समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में राष्ट्रपति मैक्रॉन के साथ शामिल होऊंगा। एक भारतीय त्रि-सेवा दल बैस्टिल दिवस परेड का हिस्सा होगा, जबकि भारतीय वायु सेना के विमान इस अवसर पर फ्लाई-पास्ट का प्रदर्शन करेंगे।

इस वर्ष हमारी रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ है।

प्रधानमंत्री ने कहा, गहरे विश्वास और प्रतिबद्धता में निहित, दोनों देश रक्षा, अंतरिक्ष, नागरिक परमाणु, नीली अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश, शिक्षा, संस्कृति और लोगों से लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में निकटता से सहयोग करते हैं। हम क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी मिलकर काम करते हैं। मोदी ने कहा कि वह राष्ट्रपति मैक्रॉन से मिलने और अगले 25 वर्षों में इस दीर्घकालिक और समय-परीक्षणित साझेदारी को आगे बढ़ाने पर व्यापक चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं।

यात्रियों की कमी के कारण पश्चिम रेलवे ने 20 ट्रेनें की रद्द

प्रयागराज, एजेंसी। पश्चिम रेलवे ने कम यात्रियों के कारण 20 विशेष ट्रेनें रद्द कर दी हैं। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) हिमांशु शेखर उपाध्याय ने कहा कि जिन 20 विशेष ट्रेनों को विशेष अवधि के लिए रद्द किया गया है, उनमें 09183 मुंबई सेंट्रल-वाराणसी साप्ताहिक ट्रेन भी शामिल है, जिसे 19 जुलाई से 30 अगस्त के बीच रद्द कर दिया गया है।

अन्य ट्रेनों में 09184 बनारस-मुंबई साप्ताहिक, 21 जुलाई से 1 सितंबर के बीच रद्द कर दी गई है। इसी प्रकार 09417 अहमदाबाद-पटना साप्ताहिक (24 जुलाई और 28 अगस्त), 09418 पटना-अहमदाबाद साप्ताहिक (25 जुलाई-29 अगस्त), 09421 अहमदाबाद-दरभंगा साप्ताहिक (17 जुलाई-28 अगस्त), 09422 दरभंगा-अहमदाबाद साप्ताहिक (जुलाई 19-अगस्त 30) और 09413 अहमदाबाद-समस्तीपुर साप्ताहिक (18 जुलाई और 29 अगस्त) को भी रद कर दिया गया है।

शाह ने चीन और पाकिस्तान का नाम लिए बिना दी नसीहत, 'प्याज के छिलके' वाली तकनीक को लेकर चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री ने चीन और पाकिस्तान का नाम लिए बिना उन्हें नसीहत दे दी है। शाह ने कहा, टेक्नोलॉजी आज सभी कन्वेंशनल जियोग्राफिकल, पॉलिटिकल और आर्थिक सीमाओं के पार पहुंच चुकी है। आज हम एक बड़े ग्लोबल डिजिटल विलेज में रहते हैं। हालांकि टेक्नोलॉजी, मानवीय समाज और देशों को ज्यादा तेजी से करीब लाने वाला एक पॉजिटिव डेवलपमेंट है, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व तथा स्वार्थी वैश्विक ताकतें भी हैं, जो नागरिकों और सरकारों को, आर्थिक एवं सामाजिक नुकसान पहुंचाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही हैं। गृह मंत्री का इशारा, चीन और पाकिस्तान की तरफ था। ये दोनों देश, साइबर अपराध के अलावा आतंकियों को विभिन्न तरीकों से फंडिंग भी कर रहे हैं। आज 840 मिलियन भारतीयों की ऑनलाइन मौजूदगी है। साल 2025 तक नए 400 मिलियन भारतीय डिजिटल दुनिया में प्रवेश करेंगे। कुछ स्वार्थी वैश्विक ताकतों की मदद से आतंकियों द्वारा 'प्याज के छिलके' उतारने वाली तकनीक यानी डार्कनेट का इस्तेमाल करने लगे हैं। इस तकनीक के जरिए वे लोग अपनी पहचान छिपाने में कामयाब हो जाते हैं। दूसरा, आतंकी संगठन रेडिकल मैटेरियल को फैलाने में भी डार्कनेट का उपयोग कर रहे हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुग्राम में ठाळ२, अक और टीइं५ी१ री के युग में अपराध व सुरक्षा पर˘-20 सम्मेलन के उद्घाटन सत्र पर यह बात कही है। इस दो दिवसीय सम्मेलन में जी20 देशों, 9 विशेष आमंत्रित देशों, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं, प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी लोगों, भारत और दुनियाभर के डोमेन विशेषज्ञों सहित 900 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। शाह ने कहा, आतंकवादी हिंसा को अंजाम देने, युवाओं को रैडिकलाइज करने तथा वित्त संसाधन जुटाने के नए तरीके खोज रहे हैं। आतंकवादियों द्वारा वर्चुअल एसेट्स के रूप में नए तरीकों का उपयोग, फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन के लिए किया जा रहा है। आतंकवादी अपनी पहचान छिपाने के लिए और रेडिकल मैटेरियल को फैलाने के लिए डार्क-नेट की मदद ले रहे हैं। हमें डार्क-नेट पर चलने वाली इन गतिविधियों के पैटर्न को समझना होगा और उसके उपाय भी ढूंढने होंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, गत 9 वर्षों में इंटरनेट कनेक्शन में 250 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। प्रति जीबी डाटा की लागत में 96 फीसदी की कमी आई है। भारत 2022 में 90 मिलियन लेनदेन के साथ वैश्विक डिजिटल भुगतान में अग्रणी रहा है। अब तक भारत में 35 ट्रिलियन रुपये के यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए हैं। कुल वैश्विक डिजिटल भुगतान का 46 फीसदी भारत में भुगतान हुआ है। 2017-18 के बाद लेन-देन की मात्रा में 50 गुना बढ़ोत्तरी हुई है। भारत नेट के तहत 6 लाख किलोमीटर की ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जा चुकी है। साइबर खतरों की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। इंटरपोल की वर्ष 2022 की 'ग्लोबल ट्रेंड समरी रिपोर्ट' का हवाला देते हुए शाह ने कहा, रैनसमवेयर, फिशिंग, ऑनलाइन घोटाले, ऑनलाइन बाल यौन-शोषण और हैकिंग जैसे साइबर अपराध की कुछ प्रवृतियां विश्वभर में गंभीर खतरे की स्थिति पैदा कर रही हैं। ऐसी संभावना है कि भविष्य में ये साइबर अपराध कई गुना और बढ़ेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जी20 के मंच पर साइबर सिक्योरिटी पर अधिक ध्यान देने से, अहम 'इनफॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर' और 'डिजिटल पब्लिक प्लेटफार्मों' की सुरक्षा और संपूर्णता सुनिश्चित करने में सकारात्मक योगदान मिल सकता है। इस मंच पर साइबर सिक्योरिटी और साइबर क्राइम पर विचार-विमर्श करने से इंटेलिजेंस व इनफॉर्मेशन शेयरिंग नेटवर्क के विकास में मदद मिलेगी। साथ ही ग्लोबल कोऑपरेशन को बल मिलेगा।

डिजिटल युग के मद्देनजर, साइबर सिक्योरिटी, ग्लोबल सिक्योरिटी की एक जरूरी पहलू बन गई है, जिसके इकोनॉमिकल तथा जिओ-पॉलिटिकल प्रभावों पर पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है। आतंकवाद, टेरर फाइनेंसिंग, रेडिकलाइजेशन, नार्को, नार्को-टेरर लिंक्स और मिस-इनफॉर्मेशन सहित नई उभरती, पारंपरिक व गैर-पारंपरिक चुनौतियों से बेहतर ढंग से निपटने के लिए राष्ट्रों एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों की क्षमताओं को मजबूत बनाना आवश्यक है।

हमारी कन्वेंशनल सिक्योरिटी चुनौतियों में 'डायनामाइट से मेट-वर्स' और 'हवाला से क्रिप्टो करेंसी' का परिवर्तन दुनिया के देशों के लिए निश्चित ही चिंता का विषय है। आतंकवादी हिंसा को अंजाम देने, युवाओं को रैडिकलाइज करने तथा वित्त संसाधन जुटाने के नए तरीके खोज रहे हैं। आतंकवादियों द्वारा वर्चुअल एसेट्स के रूप में नए तरीकों का उपयोग, फाइनेंसियल ट्रांजैक्शन के लिए किया जा रहा है। आतंकवादी अपनी पहचान छिपाने के लिए और रेडिकल मैटेरियल को फैलाने के लिए डार्क-नेट का उपयोग कर रहे हैं। शाह ने कहा कि हमें डार्क-नेट पर चलने वाली इन गतिविधियों के पैटर्न को समझना होगा। मेट-वर्स, जो कभी साइंस फिक्शन था, अब वास्तविक दुनिया में कदम रख चुका है। इससे आतंकवादी संगठनों के लिए मुख्य रूप से प्रचार, भर्ती और प्रशिक्षण के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इससे आतंकी संगठनों के लिए ऐसे लोगों का चयन करना, उन्हें टारगेट बनाना और उनकी कमजोरियों के अनुरूप मैटेरियल तैयार करना आसान हो जाएगा। मेटावर्स यूजर की पहचान की नकल करने के अवसर भी पैदा करता है, जिसे 'डीप-फेक' कहा जाता है। व्यक्तियों के बारे में बेहतर बायोमेट्रिक जानकारी का उपयोग करके अपराधी, यूजर का रूप धरने और उनकी पहचान चुराने में सक्षम हो जाएंगे।

साइबर अपराधियों द्वारा रैंसमवेयर हमलों, महत्त्वपूर्ण व्यक्तिगत डेटा की बिक्री, ऑनलाइन उत्पीड़न, बाल-शोषण से लेकर फर्जी समाचार और 'टूलकिट' के साथ मिस-इनफॉर्मेशन कैंपेन जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। इसके साथ ही, क्रिटिकल इनफॉर्मेशन और फाइनेंशियल सिस्टम्स को स्ट्रेटेजिक लक्ष्य बनाने की प्रवृत्ति भी बढ़ रही है। ऐसी गतिविधियां राष्ट्रीय चिंता के विषय हैं, क्योंकि इनकी गतिविधियों का सीधा प्रभाव राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून व्यवस्था और अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। शाह ने इस बात पर जोर दिया कि अगर हमें ऐसे अपराधों और अपराधियों को रोकना है, तो कन्वेंशनल जियोग्राफिक बॉर्डर से ऊपर उठकर सोचना होगा। डिजिटल युद्ध में टारगेट हमारे भौतिक संसाधन नहीं होते हैं, बल्कि हमारी ऑनलाइन कार्य करने की क्षमता को टारगेट किया जाता है। कुछ ही मिनट्स के लिए भी ऑनलाइन नेटवर्क में व्यवधान घातक हो सकता है। हमारा इन्टरनेट विजन न तो राष्ट्र के अस्तित्व को संकट में डालने वाला अत्यधिक फ्रीडम का होना चाहिए और न ही डिजिटल फ़ायरवॉल जैसे आइसोलेशनिस्ट स्ट्रक्चर का होना चाहिए। भारत ने कुछ ऐसे 'ओपन-एक्सेस डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर' मॉडल खड़े किये हैं, जो आज विश्व में मिसाल बने हुए हैं। भारत ने डिजिटल आइडेंटिटी का आधार मॉडल, रियल-टाइम फ़ास्ट पेमेंट का यूपीआई मॉडल, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स, हेल्थ के क्षेत्र में ओपन हेल्थ सर्विस नेटवर्क, जैसे और भी मॉडल्स विकसित किए हैं। विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, वर्ष 2019-2023 के दौरान साइबर हमलों से दुनिया को लगभग 5.2 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता था। मेलिशियस थ्रेट एक्टर्स द्वारा क्रिप्टो करेंसी का उपयोग इसकी पहचान और रोकथाम को और जटिल बना देता है।

दिल्ली में बाढ़ का कहर

बस-स्टैंड, इमारतें और सड़कें सब कुछ हुआ जलमग्न, हर ओर बस बेबसी

नई दिल्ली , एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में यमुना नदी उफान पर है। कई इलाकों में बाढ़ का पानी घुस आया है। हथनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद यमुना नदी का पानी तेजी से बढ़ रहा है। यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से काफी ऊपर 208.46 मीटर के पैमाने को पार कर गया है। राजधानी दिल्ली में यमुना के बढ़े जलस्तर की वजह से निचले इलाकों में पानी भर गया है। दिल्ली के सभी स्कूल-कॉलेज रविवार तक बंद कर दिए गए हैं। उधर, यमुना का पानी कश्मीरी गेट बस स्टैंड तक पहुंच गया है। इस दौरान लगातार राहत और बचाव कार्य भी चल रहा है। लोग अपना सामान समेटकर सुरक्षित स्थानों की ओर रुख कर रहे हैं। दिल्ली में कुछ सड़कों को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने भी एडवाइजरी जारी की है।

बाढ़ के चलते कई रोड किए गए बंद

- कश्मीरी गेट मेन रोड रिंग रोड को बंद किया गया
- उफनती हुई यमुना नदी का पानी आईटीओ तक पहुंच गया है।
- पूर्वी दिल्ली से मध्य दिल्ली और कनॉट प्लेस तक आने-जाने का एक प्रमुख मार्ग है।
- भैरो मार्ग को बंद कर दिया गया है
- आईपी फ्लाईओवर और चंदगी राम अखाड़े के बीच महात्मा गांधी मार्ग
- कालीघाट मंदिर और दिल्ली सचिवालय के बीच महात्मा गांधी मार्ग
- वजीराबाद ब्रिज और चंदगी राम अखाड़े के बीच बाहरी रिंग रोड

यमुना खतरे के निशान से काफी ऊपर

दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से काफी ऊपर है। हथनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद पानी में बढ़ोतरी हो गई है। खजूरी इलाके में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। पुराना किला के नीचले इलाके में पानी घुस गया है। यमुना बाजार इलाके में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम पूर्वानुमान के अनुसार, गुरुवार को दोपहर 3-5 बजे के बीच यमुना का जल स्तर 208.75 मीटर तक पहुंच सकता है।

यमुना में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए दिल्ली मेट्रो ने किया फैसला

यमुना नदी के ऊपर से गुजरते समय मेट्रो की स्पीड लिमिट 30ं/घंटा से अधिक नहीं होगी। उद्दफ्ठ ने ट्वीट किया कि यमुना के बढ़ते जल स्तर के कारण, एहतियात के तौर पर ट्रेनें नदी पर बने सभी चार मेट्रो पुलों से 30 किमी प्रति घंटे की प्रतिबंधित गति से गुजर रही हैं।

दिल्ली के सभी स्कूल-कॉलेज रविवार तक बंद

दिल्ली में यमुना में बाढ़ को लेकर हुई डीडीएम की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया है। दिल्ली के सभी स्कूल-कॉलेज रविवार तक बंद कर दिए गए हैं। उधर, यमुना का पानी कश्मीरी गेट बस स्टैंड तक पहुंच गया है।

दिल्ली में भारी वाहनों की नोएंट्री

बढ़ते जल स्तर को देखते हुए सिंघू, बदरपुर, लोनी और चिल्ला बॉर्डर से दिल्ली में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हरियाणा, हिमाचल, चंडीगढ़, जम्मू- कश्मीर, उत्तराखंड से आने वाली बसें सिंघू बॉर्डर पर ही रोकी जाएंगी। आवश्यक सेवाओं वाली गाड़ियों पर प्रतिबंध नहीं होगा।

आईएसबीटी से बसों का आना-जाना बंद

आईएसबीटी से बसों का आना-जाना बंद हो गया है। इस वजह से यात्री परेशान हैं। उधर, लाल किले की दीवार से पानी टच हो गया है। लाल किला के पीछे रिंग रोड पर बाढ़ का पानी भर गया है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में घुसा यमुना का पानी

यमुना नदी में आई बाढ़ का पानी दिल्ली ही नहीं नोएडा और ग्रेटर नोएडा के कई इलाकों तक फैल गया है। नोएडा के मंगरौली गांव में पानी घुस गया है।

यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन पर प्रवेश और निकास अस्थायी रूप से बंद

यमुना नदी के बढ़ते जल स्तर के कारण यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन पर प्रवेश और निकास अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। हालांकि, इंटरचेंज सुविधा अभी भी उपलब्ध है और ब्लू लाइन पर सेवाएं सामान्य रूप से चल रही हैं। उद्दफ्ठ ने ट्वीट करके यह जानकारी दी है।

निगमबोध घाट के निचले घाटों को भी अंतिम क्रिया के लिए बंद करने का आदेश

राजधानी दिल्ली में पानी का स्तर अपने ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गया है। गुरुवार सुबह आठ बजे यह 208.48 मीटर तक पहुंच गया है। हथिनी कुंड बैराज से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है और इस कारण राजधानी में बाढ़ की स्थिति और ज्यादा गंभीर हो सकती है। बाढ़ को देखते हुए प्रशासन ने पूर्वी दिल्ली के गीता कॉलोनी शमशान घाट को अस्थाई तौर पर बंद करने का आदेश दिया है। यदि पानी की ऊंचाई और ज्यादा बढ़ती है तो निगमबोध घाट के निचले घाटों को भी अंतिम क्रिया के लिए बंद करने का आदेश जारी किया जा सकता है। दिल्ली के निचले इलाकों में लगातार पानी बढ़ता जा रहा है। अब तक लगभग 20,000 लोगों को उनके घरों से सुरक्षित ठिकनों पर पहुंचाया जा चुका है। टेंट में लोगों को रहने की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने निर्देश दिया है कि जरूरत पड़ने पर राजधानी के सरकारी स्कूलों को स्थाई आवास केंद्रों में तब्दील किया जा सकता है।

राजधानी दिल्ली-एनसीआर में डेंगू की दस्तक

नई दिल्ली , एजेंसी। राजधानी दिल्ली-एनसीआर में बारिश-बाढ़ जैसे हालात के साथ मच्छर जनित रोगों का खतरा भी बढ़ गया है। दिल्ली-नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अस्पतालों से प्राप्त जानकारियों के मुताबिक यहां डेंगू ने दस्तक दे ही है। कई अस्पतालों में पिछले 15 दिनों में डेंगू के मरीज बढ़े हैं, जिसको देखते हुए डॉक्टरों ने अलर्ट किया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक हालात तो फिलहाल कंट्रोल में हैं, लेकिन इस बार जिस तरह की बारिश और बाढ़ के हालात हैं ऐसे में मामलों के बढ़ने का डर बना हुआ है।

इस साल राष्ट्रीय राजधानी में डेंगू के लगभग 136 मामले सामने आए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने वेक्टर जनित बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए मंगलवार को सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक भी की। अधिकारियों द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस साल 8 जुलाई तक दिल्ली में डेंगू के 136 और मलेरिया के 43 मामले दर्ज किए गए हैं। एमसीडी द्वारा इस सप्ताह जारी रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 में जहां एक जनवरी से आठ जुलाई की अवधि में डेंगू के 153 मामले देखे गए, वहीं इस साल यह आंकड़ा 136 का है। पिछले साल डेंगू के कुल 4,469 मामले रिपोर्ट हुए थे और नौ मौतें हुईं थी। इस साल अब तक दर्ज किए गए 136 मामलों में से 40 मामले जून और 23 केस मई में दर्ज किए गए। जुलाई के पहले आठ दिनों में ही 14 लोगों में संक्रमण की पुष्टि की गई है।इस साल मच्छर जनित रोगों को लेकर अधिक चिंता जताई जा रही है क्योंकि भारी बारिश और बाढ़ के कारण हालात पिछले साल से ज्यादा गड़बड़ हैं।डेंगू एक वायरल बीमारी है, जो एडीज एजिप्टी नामक मच्छर काटने से फैलती है। दिन के समय ये मच्छर अधिक काटते हैं, इसलिए इनसे बचाव करते रहना बहुत आवश्यक है।डेंगू के मच्छर पानी की टंकियों, कंटेनरों और पुराने टायरों, गमलों में अधिक पनपते हैं। अगर कुछ दिनों से किसी जगह पर पानी का स्थिर जमाव है तो यह मच्छरों के प्रजनन के लिए स्रोत हो सकता है। डेंगू मुख्यरूप से दो प्रकार का होता है- क्लासिकल डेंगू बुखार जिसे 'हड्डी तोड़' बुखार भी कहा जाता है और दूसरा डेंगू रक्तस्रावी बुखार जो अपेक्षाकृत अधिक खतरनाक हो सकता है।

दिल्ली में बारिश के बाद क्यों आई बाढ़?

राजधानी में कोई गड़बड़ या पड़ोसी राज्य जिम्मेदार

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली में बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। जगह-जगह लोगों के घरों और सड़कों पर पानी भरा हुआ है। हालांकि, मंगलवार के बाद तेज बारिश नहीं हुई है, लेकिन फिर भी राजधानी का बुरा हाल हो रखा है। गुरुवार सुबह दिल्ली की सड़कों पर बाढ़ का पानी घुस गया, जिससे आईटीओ और सिविल लाइन्स जलमग्न हो गए। वहीं, यमुना नदी ने 45 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 208 मीटर के जलस्तर को पार कर लिया है। हथिनीकुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी की वजह से दिल्ली से गुजर रही यमुना उफान पर है। अब ऐसे में सवाल उठता है कि जब हर मानसून में इतनी ही बारिश दर्ज की जाती है तो इस साल दिल्ली में बाढ़ क्यों आ रही है।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, हथिनीकुंड बैराज से छोड़े गए पानी को पिछले वर्षों की तुलना में दिल्ली पहुंचने में कम समय लगा। 180 किलोमीटर दूर हरियाणा के यमुनानगर में स्थित हथिनी कुंड बैराज से पानी राजधानी तक पहुंचने में लगभग दो से तीन दिन लगते थे, लेकिन इस बार यह महज एक दिन में ही पहुंच गया।

यमुना के बाढ़ क्षेत्र में बेतहाशा अतिक्रमण हुआ है। शायद इसके कारण हथिनी कुंड बैराज से छोड़े गए पानी को गुजरने के लिए एक सकरा रास्ता मिला। इसके अलावा नदी की तल को ऊपर उठाने वाला सिल्ट या हिंदी में कहें तो गाद भी बिना बारिश के दिल्ली में बाढ़ का एक अन्य कारण हो सकती है।

दिल्ली में बीते शनिवार और रविवार को अत्यधिक बारिश हुई। इसकी वजह से राजधानी में 40 वर्षों में सबसे ज्यादा वर्षा वाला जुलाई महीना दर्ज किया गया। नौ जुलाई को सुबह साढ़े आठ बजे तक दिल्ली में 153 मिमी बारिश हुई थी।

केजरीवाल ने एक दिन पहले कहा था कि दिल्ली ने 24 घंटे में 100 मिमी बारिश झेली।

दिल्ली-एनसीआर में मिलेगा सस्ता टमाटर, यूपी और राजस्थान में भी 90 रुपये किलो बेचने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में टमाटक की कीमतें आसमान छू रही हैं। आलम यह है कि जो लोग कभी एक-एक किलो खरीदा करते थे वो अब 250 ग्राम खरीदने को मजबूर हैं। इस बीच राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) ने लोगों के लिए राहत भरी खबर का एलान किया है। एनसीसीएफ ने गुरुवार को घोषणा कि है कि वह शुक्रवार से 90 रुपये किलो टमाटर उपलब्ध कराएगी। एनसीसीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में मोबाइल वैन के माध्यम से 90 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दरों पर टमाटर बेचा जाएगा। उन्होंने टमाटर बिकने वाली जगहों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नोएडा में रजनीगंधा चौक पर मौजूद एनसीसीएफ ऑफिस में टमाटर बेचा जाएगा। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा और अन्य स्थानों पर मोबाइल वैन के जरिये से टमाटर बेचे जाएंगे।

लाठी की मार और भगदड़ में गिरने से कई नेताओं के हाथ-पैर टूटे

पटना , एजेंसी। बिहार की नई शिक्षक भर्ती नियमावली और चार्जशीट दाखिल होने के बावजूद डिप्टी सीएम पद से तेजस्वी यादव को नहीं हटाए जाने के विरोध के साथ 10 लाख सरकारी नौकरी के वादे पर सवाल के साथ भारतीय जनता पार्टी का विधानसभा मार्च गुरुवार को लहूलुहान हो गया। आंसू गैस के गोलों, पानी की बौछार और अंधाधुंध लाठीचार्ज से कई बार भगदड़ मची। लाठी की मार और भगदड़ में गिरने से कई नेताओं के हाथ-पैर टूटे। कई अस्पताल में भर्ती हैं। जहानाबाद भाजपा के एक नेता की मौत हो गई। पुलिस हिंसक किसके आदेश पर हुई, यह बताने की जगह अफसर राज्य सरकार का चेहरा बचाने के लिए आपदा प्रबंधन करते रहे।

जहानाबाद निवासी भाजपा नेता विजय सिंह की मौत की खबर उनके घर पहुंची तो वहां कोहराम मच गया। विजय सिंह के साथ रहे भाजपा नेता उनके जिंदा रहते भी साथ थे और मौत के समय भी। पोस्टमार्टम कराने पहुंचे, तब तक घर पर खबर कर दी गई। भाजपा के कई वरिष्ठ नेता विजय सिंह के परिजनों को ढांढ़स बंधाने पहुंच गए, लेकिन सरकार ने इस मौत की पुष्टि करने में घंटों गुजार दिए। मीडिया के लगातार सवालों के बाद जिला प्रशासन और पुलिस ने दो लाइन की संदेहास्पद जानकारी तब दी, जब मौत हो चुकी थी। संदेहास्पद कैसे, यह उनकी ओर से दी सूचना को देखकर समझें- "जहानाबाद के एक व्यक्ति श्री विजय सिंह छज्जूबाग में सड़क किनारे अचेतावस्था में पाए गए थे। शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं है। उन्हें ढटउऌ में भर्ती कराया गया है। विस्तृत विवरण प्राप्त किया जा रहा है।"

सड़क किनारे अचेतावस्था में पाए जाने की सूचना अपने आप में संदेहास्पद है, क्योंकि भाजपा नेताओं के साथ ही परिजनों ने भी कहा कि जहानाबाद से विजय सिंह भाजपा के मार्च में शामिल होने आए थे। उनकी मौत की खबर फैलने के बाद यह मैसेज आया। उसके करीब डेढ़ घंटे बाद अस्पताल में एक बुजुर्ग के वीडियो बयान को जारी किया गया। जहानाबाद के निजामुद्दीनपुर निवासी भरत प्रसाद चंद्रवंशी इस वीडियो में वह कह रहे हैं- "हमलोग समारोह में जा ही रहे थे। जाने के पहले ही भगदड़ मची और यह गिर गए। गिरने के क्रम में हो सकता है कि सिर में चोट लगी। हमलोग एक प्राइवेट अस्पताल लेकर गए। वहां मशीन पर ले जाया गया, लेकिन रिस्पांस नहीं मिला। वहां से एम्बुलेंस कर पीएमसीएच लाया गया।" भाजपा नेता शैलेश महाजन ने कहा कि अफसरों ने इस वीडियो बयान को मीडिया तक इसलिए पहुंचाया, क्योंकि इसमें जहानाबाद के यह बुजुर्ग कह रहे हैं कि वह जा ही रहे थे। "जा रहे थे और जाने से पहले ही भगदड़ मची" का मतलब क्या है? पटना में कहीं सड़क पर वैसे ही भगदड़ मच जाती है? लाठीचार्ज का वीडियो राज्य की जनता देख चुकी है और भगदड़ से चोटिल लोगों को भी। क्या इस हत्या को सरकार दूसरे तरीके से जस्टिफाई करना चाह रही है?

अश्विन ने रचा इतिहास, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 700 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बने

नई दिल्ली, अनुभवी भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 700 विकेट पूरे कर लिए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि डोमिनिका के विंडसर पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती टेस्ट मैच के पहले दिन हासिल की।

36 वर्षीय अश्विन, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में प्लेइंग इलेवन से बाहर थे, ने पहले दो सत्रों में चार विकेट लेकर भारत को पहले दिन हावी होने में मदद की।

उन्होंने अल्जारी जोसेफ को आउट कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 700 विकेट पूरे किए और अनिल कुंबले (956 विकेट) और हरभजन सिंह (711 विकेट) के बाद यह बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बन गए। अल्जारी जोसेफ का विकेट मैच में उनका तीसरा विकेट था। अश्विन के नाम अब 702 अंतरराष्ट्रीय विकेट हैं।अश्विन ने टेस्ट मैच के शुरुआती दिन मेजबान टीम के बल्लेबाजों को नियमित अंतराल पर आउट किया।तेगनारायण चंद्रपॉल मैच में उनका पहला विकेट बने, जिससे उन्हें एक अनोखी रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने में मदद मिली। अश्विन पिता और पुत्र दोनों का विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने। 36 वर्षीय, जिन्होंने 2011 में नई दिल्ली में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, ने सबसे लंबे प्रारूप में अपनी पहली उपस्थिति के दौरान तेग नारायण के पिता शिवनारायण चंद्रपॉल को आउट किया था।

पुरुष युगल वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंची रोहन बोपन्ना–मैथ्यू एबडेन की जोड़ी

लंदन, । शीर्ष भारतीय युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने अपना स्वप्निल प्रदर्शन जारी रखते हुए विंबलडन के युगल वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

बोपन्ना–एबडेन की जोड़ी ने टालोन ग्रिक्सपुर और बार्ट स्टीवंस की डच जोड़ी को 6–7(6–3) 7–5 6–2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले दो सेट में संघर्ष करने के बाद तीसरा सेट बोपन्ना और एबडेन के लिए आसान था। दोनों ने पहले और पांचवें गेम में दो बार डच जोड़ी की सर्विस तोड़ी। यह मुकाबला एक घन्टे और 54 मिनट तक चला।

बता दें कि यह तीसरी बार है जब 43 वर्षीय बोपन्ना ने, विंबलडन के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। कुल मिलाकर, 2010 में यूएस ओपन उपविजेता बोपन्ना ने पुरुष युगल में चार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई है। छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी अब फाइनल में जगह बनाने के लिए शीर्ष वरीयता प्राप्त डच–ब्रिटिश जोड़ी वेस्ले कूलहोफ और नील स्कुपस्की से भिड़ेगी।

सिंधू और लक्ष्य पहले दौर में जीते, साई प्रणीत हारे

काउंसिल ब्लफ्स (अमेरिका), 13 जुलाई। ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने यहां अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग के पहले दौर में जीत दर्ज की।

सिंधू ने भारतीय मूल की अमेरिकी खिलाड़ी दीक्षा गुप्ता को महज 27 मिनट में 21–15, 21–12 से पराजित किया तो सेन ने फिनलैंड के काले कोलजोनेन को 30 मिनट के अंदर 21–8, 21–16 से हरा दिया। पुरुष एकल के एक अन्य मैच में एस एस सुब्रमण्यम ने पहले दौर में आयरलैंड के प्रतिद्वंद्वी नहाट एनगुएन को 44 मिनट में 21–11, 21–16 से शिकस्त दी।

बी साई प्रणीत को हालांकि दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी लि शि फेंग से तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। एक घंटे 14 मिनट तक चले मैच में चीन के दूसरे वरीय शि फेंग ने प्रणीत को 16–21, 21–14, 21–19 से हराया। एक अन्य महिला एकल मैच में भारत की 61वीं रैंकिंग की रूतविका शिवानी को हार मिली। मंगलवार को राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैम्पियन पी कश्यप अपने दूसरे मैच में रिटायर्ड हो गये थे। उन्होंने पहले मैच में इंग्लैंड के रोहन मिधा को हराया था। कृष्णा प्रसाद गारागा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला की पुरुष युगल जोड़ी भी पहले दौर की बाधा पार नहीं कर सकी, उन्हें चीनी ताइपे के लिन यु चिए और सु लि वेई से सीधे गेम में 14–21, 14–21 से हार मिली।

हनुमा विहारी का छलका दर्द, कहा– टीम से बाहर करने पर मुझे मलाल

नई दिल्ली, रिद्धीमान साहा के रिप्लेसमेंट के तौर पर आये हनुमा विहारी लंबे समय से टीम से गायब नजर आ रहे हैं. ऐसे में खिलाड़ी ने अपने टेस्ट करियर और बीसीसीआई सिलेक्टरों पर बात रखते हुए कहा कि मुझे टीम इंडिया से क्यों बाहर किया, आज तक नहीं जान पाया हूं. और इस बात का मुझे मलाल है. उन्होंने कहा कि मेरे से किसी ने बात नहीं की. साथ ही किसी ने मुझे यह नहीं बताया कि टेस्ट टीम से क्यों बाहर किया गया?

हनुमा विहारी ने कहा कि मैं उतार–चढ़ाव देख चुका हूं, पहले भी मेरी जिंदगी में उतार–चढ़ाव आए. लेकिन मैं इससे चिंतित नहीं हूं. उन्होंने कहा कि मैंने अपने निजी पक्षों को किनारे रख दिया है, मैं बहुद ज्यादा तनाव नहीं लेता हूं. साथ ही उन्होंने कहा कि मैं भारतीय टीम के लिए खेल रहा हूं या नहीं, यह बात सोचकर खुद पर दबाव नहीं बढने देता हूं. हनुमा विहारी ने कहा कि मेरा लक्ष्य हमेशा जीतना होता है. इस वक्त दिलीप ट्रॉफी में साउथ जोन के लिए खेल रहा हूं फिलहाल मेरी कोशिश साउथ जोन के लिए ट्रॉफी जीतना है.

ऐसे में अब सवाल ये उठ रहा हैं कि क्या खिलाड़ी की टीम में वापसी होगी या नहीं और आते भी हैं तो अब किसकी जगह उन्हे टीम में जगह दी जायेगी. क्या पंत को रिप्लेस करके टीम उन्हे अंदर का रास्ता दिखायेगी. हालांकि उन्होंने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी हैं. क्योंकि हाल ही में अजिंक्य रहाणे ने टीम में दमदार वापसी की हैं.

विलियमसन टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर काबिज, रिषभ पंत सूची में बरकरार

नई दिल्ली, न्यूजीलैंड टीम के कप्तान केन विलियमसन आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में टॉप 1 पर पहुंच गये हैं. जबकि पिछले लंबे वक्त तक टॉप पर रहे ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लबुशेन पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं. वहीं भारतीय बल्लेबाजों की बात करें तो चोटिल चल रहे ऋषभ पंत का नाम 758 रेटरिंग प्वॉइंट्स के साथ दसवें नंबर पर हैं.

केन विलियमसन 883 रेटिंग प्वॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर काबिज है. जबकि आईसीसी टेस्ट रैंकिंग्स में दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड रहे हैं. ट्रेविस हेड के 874 रेटिंग प्वॉइंट्स हैं. पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम 862 रेटिंग प्वॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर काबिज हैं. जबकि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्टीव स्मिथ 855 रेटिंग प्वॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर हैं.

यूएस मास्टर्स टी10 लीग चालू हो रही 18 अगस्त से, भारतीय खिलाडी भी होंगे शामिल

नई दिल्ली, टी टेन ग्लोबल स्पोर्ट्स ने शनिवार को उत्तरी कैरोलिना के रैले में यूएस मास्टर्स टी10 लीग प्लेयर ड्राफ्ट का आयोजन किया. प्लेयर ड्राफ्ट में सभी छह टीमों ने अटलांटा फायर, कैलिफ़ोर्निया नाइट्स, मॉरिसविले यूनिटी, न्यू जर्सी लीजेंड्स, न्यूयॉर्क वॉरियर्स और टेक्सास चार्जर्स ने इस साल के अंत में होने वाले टूर्नामेंट के लिए एक्सप्लोसिव लाइन–अप का निर्माण किया. न्यू जर्सी लेजेंड्स में 2011 विश्व कप विजेता तीन खिलाड़ी गौतम गंभीर, युवराज सिंह और यूसुफ पठान होंगे, साथ ही लियाम प्लंकेट, एल्बी मोर्कल, नमन ओझा, जेसी राइडर, क्रिस बार्नवेल, स्टुअर्ट बिन्नी, आरपी सिंह, बिपुल शर्मा, क्रेग मैकमिलन, टिम एम्ब्रोज़, राजेश बिश्नोई, अभिमन्यु मिथुन और मोंटी पनेसरभी शामिल होंगे. तेज बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा और डेविड हसी लेंडल सिमंस, मुहम्मद इरफान, ड्वेन स्मिथ, फरहाद रजा, हम्माद आजम, चतुरंगा डी सिल्वा, एलियास सनी, नासिर हुसैन, कमरुल इस्लाम, जुनैद सिद्दीकी, ग्रांट इलियट,

अमिला अपोंसो, हैमिल्टन मसाकाडा और एस श्रीसंत. के साथ अटलांटा फायर की कमान संभालेंगे. पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय सितारे सुरेश रैना, इरफान पठान और मोहम्मद कैफ के साथ कैलिफोर्निया नाइट्स के लिए आरोन फिंच, पीटर सिडल, जैक्स कैलिस, रिकाडी पॉवेल, दिनेश रामदीन, बेन लॉफलिन, एशले नर्स, रस्टी थेरॉन, अनुरीत सिंह, पवन सुयाल, देवेन्द्र बिशू, जेसल कारिया और सुदीप त्यागी के साथ केंद्र स्तर पर होंगे. मॉरिसविले यूनिटी में केविन ओब्रायन, पार्थिव पटेल, कोरी एंडरसन, राहुल शर्मा, केल्विन सैवेज, परविंदर अवाना, एंड्रीज़ गौस, नजफ शाह, एंजेलो परेरा, डेन के साथ–साथ हार्ड–हिटिंग क्रिस गेल और भारतीय दिग्गज हरभजन सिंह, पीड्ट, विकास टोकस, दिलशान मुनावीरा, नुवान कुलसेकरा और मखाया एंटिनी होंगे शामिल. एसएएमपी ग्रुप के सीईओ और अमेरिकी संस्करण के मुख्य आयोजकों और लीग पार्टनर में से रितेश पटेल ने कहा कि हमने यूएस मास्टर्स टी10 लीग के आयोजन की दिशा में अपना पहला बड़ा कदम उठाया है. प्रत्येक टीम में कई पूर्व अंतरराष्ट्रीय सुपरस्टारों के होने से टूर्नामेंट निश्चित रूप से शानदार होने वाला है. हम प्रतियोगिता में कई करीबी मुकाबले वाले मुकाबलों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. यूएस मास्टर्स टी10 लीग का पहला सीजन् 18 से 27 अगस्त 2023 तक आयोजित किया जाएगा.

फिल्मी सफर

अजय देवगन की रेड 2 की कहानी पर शुरू हुआ काम

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन अपनी फिल्मों को लेकर अक्सर चर्चा में बने रहते हैं। बीते कुछ समय से प्रशंसक अभिनेता की फिल्म मैदान के इंतजार में हैं, जिसकी रिलीज डेट में कई बार बदलाव हो चुका है। इस सबके बीच अब खबर आ रही है कि अभिनेता अपनी 2018 में आई फिल्म रेड के सीच्ल को जल्द लाने की तैयारी कर रहे हैं। रेड के सीच्ल के लिए कहानी पर काम भी शुरू हो गया है।बीते दिनों खबर आई थी देवगन ने निर्माता कुमार मंगत के साथ रेड के सीच्ल के लिए हाथ मिलाया है और जल्द फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। देवगन और मंगत का मानना है कि दृश्यम की तरह ही रेड को दर्शकों ने पसंद किया था और ऐसे में इसके सीच्ल को अच्छी प्रतिक्रिया मिलेंगी। अब सीच्ल के लिए एक बार फिर अजय रेड के निर्देशक राजकुमार गुप्ता के साथ आ गए हैं और फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। सूत्र से मिली जानकारी के मुताबिक, देवगन और मंगत ने निर्देशक गुप्ता को

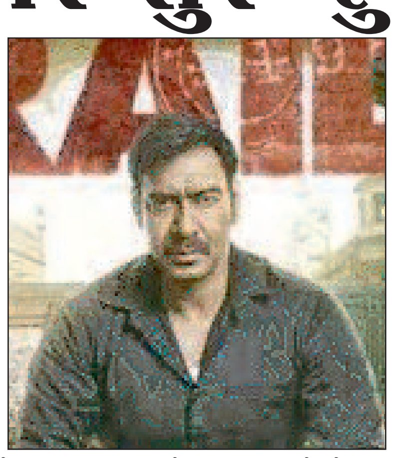

रेड 2 की कहानी को विकसित करने के लिए कहा है। ऐसे में अब उन्होंने स्क्रिप्ट के लिए कई वास्तविक जीवन की घटनाओं पर काम करना शुरू कर दिया है। सूत्र के अनुसार, अभी तक चीजें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं और देवगन भी खुश हैं। गुप्ता कुछ ऐसा ढूंढने में कामयाब रहे हैं, जो पहले भाग से बड़ा और रोमांचक है। रेड 2 की शूटिंग 2024 की गर्मियों तक शुरू होने की उम्मीद है, जिसके बाद यह जल्द ही रिलीज होगी। यह जियो के साथ देवगन और मंगत की डील का हिस्सा होगी। देवगन और मंगत ने जियो सिनेमा के साथ 3 फिल्मों ब्लैक मैजिक, रेड 2 और दृश्यम 3 की डिजिटल डील साइन की है। दृश्यम 3 के अगले साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद की जा रही है, वहीं ब्लैक मैजिक गुजराती फिल्म वश की रीमेक है। रेड में देवगन ने एक ईमानदार आयकर अधिकारी अमय पटनायक की भूमिका निभाई थी, जो 49 ट्रांसफर होने के बाद लखनऊ पहुंच जाता है। लखनऊ में उसे एक प्रभावशाली व्यक्ति को लेकर सूचना मिलती है, जिसके बाद वह उसके घर जाकर रेड करता है। फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और ऐसे में 40 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म ने दुनियाभर में 150 करोड़ रुपये से अधिक का कलेक्शन कर लिया था।

आगामी डांस रियलिटी शो हिप–हॉप इंडिया में दिखाई देंगे रेमो डिसूजा

रेबोट, एबीसीडी 2, बाजीराव मस्तानी और स्टूडेंट ऑफ द ईयर जैसी कई भारतीय फिल्मों के डांस कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा जल्द ही आगामी डांस रियलिटी शो हिप–हॉप इंडिया में अपना जलवा बिखेरते नजर आएंगे। रियलिटी शो के साथ जुड़ने की घोषणा करते हुए रेमो डिसूजा ने अपने सोशल मीडिया पर शो का एक पोस्टर साझा किया, जिससे डांस प्रेमियों के बीच शो को लेकर काफी उत्साह पैदा हो गया। रेमो डिसूजा के साथ शो में हर हफ्ते एक नया सेलिब्रिटी डांस जज होगा। इसके अलावा एक और जज यह तय करेगा कि भारत की अगली बड़ी हिप–हॉप सनसनी का ताज किसे पहनाया जाएगा। यह जज कौन होगा, इसका खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। शो पर टिप्पणी करते हुए रेमो ने कहा कि मुझे लगता है कि डांस शब्दों और भावनाओं से परे है और इसने मुझे वह सब कुछ हासिल करने में मदद की है जो आज मेरे पास है।

बिग बॉस में वही रह सकता है, जो राजनीति का आदी होः आरती सिंह

बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट रह चुकी आरती सिंह ने शो में रहने के लिए एक आसान जगह नहीं होने पर अपने विचार साझा किए हैं।

हाल ही के एक एपिसोड के दौरान, साइरस ब्रोचा ने कहा कि वह ह्यबिग बॉस ओटीटी 2ह्ण के घर के अंदर रहने के दबाव से नहीं निपट सकते और उन्होंने बिग बॉस के साथ–साथ होस्ट सलमान खान से उन्हें चल रहे रियलिटी शो से बाहर निकलने की अनुमति देने का आग्रह किया।हालांकि, सलमान और बिग बॉस ने उनसे कहा कि जब तक दर्शक उन्हें शो से बाहर नहीं कर देते, तब तक उनके पास यह विकल्प नहीं है आरती सिंह ने साइरस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बिग बॉस का घर वास्तव में लोगों को बर्बाद कर सकता है, खासकर उन लोगों को जो राजनीति में माहिर नहीं हैं या

उनमें धैर्य की कमी है।उन्होंने कहा, यह उन लोगों के लिए बहुत थका देने वाला हो सकता है जो राजनीति के आदी नहीं हैं और उनमें धैर्य की कमी है। वे फंसा हुआ महसूस कर सकते हैं और छोड़ना चाहते हैं। हालांकि हार न मानने में ही उनकी ताकत है।

उन्होंने कहा, उन्हें किसी को कुछ भी साबित नहीं करना है, यह उनकी अपनी यात्रा है। यहां तक कि मुझे भी पैनिक अटैक का सामना करना पड़ा है, लेकिन किसी भी स्थिति से अधिक मजबूत होना होगा। मुझे यकीन है कि वह इससे लड़ेंगे।

मैं ऐसी भूमिकाएं चुनती हूं, जो महिलाओं का प्रतिनिधित्व करे : शहाना गोस्वामी

रॉक ऑन!, मिडनाइट्स चिल्ड्रेन और तू है मेरा संडे जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर एक्ट्रेस शहाना गोस्वामी ने कहा कि उन्होंने सक्रिय रूप से ऐसी भूमिकाएं चुनी हैं जो वास्तविक महिलाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं और पारंपरिक नैरेटिव को चुनौती देती हैं। उन्होंने कहा, मैंने सक्रिय रूप से ऐसी भूमिकाएं चुनी हैं जो पारंपरिक नैरेटिव को चुनौती देती हैं, ऐसे किरदारों को चुनती हूं जो घिसी–पिटी बातों से दूर हों। मैं वास्तविक महिलाओं का प्रतिनिधित्व करना चाहती हूं, जिनसे कोई भी जुड़ सकता है। ऐसे इंडस्ट्री में जहां सोशल कनेक्शन्स और नेटवर्कि ग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, गोस्वामी ने अपने एक्टिंग को आगे बढ़ाने का फैसला किया। एक्ट्रेस नेटवर्कि ग की ट्रेडिशनल कॉन्सेप्ट के बजाय अपने एक्टिंग स्किल्स पर अधिक भरोसा करना पसंद करती है, वह इस बात पर जोर देती है कि इंडस्ट्री में क्राफ्ट हर चीज से ऊपर है।इस विषय पर विस्तार से बताते हुए, गोस्वामी ने कहाः सफलता का माप किसी के काम की गुणवत्ता में निहित है, न कि उसके संपर्कों की संख्या में। अपने पूरे करियर के दौरान, मैंने पार्टी और मीटिंग्स से ज्यादा अपने काम को प्राथमिकता दी है। प्रत्येक कार्य किसी न किसी कार्य का बाय–प्रोडक्ट होता है। जब आप सेट पर पहुंचते हैं, तो आपका निर्देशक जानना चाहता है कि क्या आप पात्रों की गहरी समझ रख सकते हैं, और दर्शकों पर स्थायी प्रभाव छोड़ सकते हैं।

ईगल के साथ संक्रांति 2024 के लिए सिनेमाघरों में वापसी करेंगे रवि तेजा

रवि तेजा ने धमाका के साथ अपने करियर की सबसे बड़ी एकल हिट फिल्मों में से एक बनाई, जिसे पीपुल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले निर्मित किया गया था। सिनेमैटोग्राफर से निर्देशक बने कार्तिक गट्टामनेनी द्वारा अभिनीत एक बहुत बड़ी परियोजना के लिए स्टार फिर से प्रोडक्शन हाउस के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने आज फिल्म की एक झलक दिखाने के साथ शीर्षक ईगल का अनावरण किया। इस साल वाल्टेयर वीरय्या के बाद, रवि तेजा ईगल के साथ संक्रांति 2024 के लिए सिनेमाघरों में वापसी करेंगे।

घोषणा के टीजर् में रवि तेजा को एक चित्रकार से लेकर कपास किसान तक के कई पात्रों के रूप में वर्णित किया गया है। टीजर् एक झील के पास खड़े तेलुगु स्टार के साथ समाप्त

होता है क्योंकि शीर्षक ईगल होने का अनावरण किया गया है। यह अनुपमा परमेश्वरन, नवदीप और मधुबाला जैसे अभिनेताओं द्वारा फिल्म में निभाए गए किरदारों की झलक भी देता है। काव्या थापर और श्रीनिवास अवसारला से भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने कहा, निर्माता चाहते थे कि शीर्षक आकर्षक हो और टीजर् नायक की दुनिया को स्थापित करना चाहता था। फिल्म के दृश्य भी उत्कृष्ट होंगे और संगीत भी काफी प्रशंसा के योग्य होने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म काफी बड़े बजट पर बनी है। एक निर्देशक होने के साथ–साथ, कार्तिक गट्टामनेनी से संपादक और सिनेमैटोग्राफर से लेकर पटकथा लेखक तक कई भूमिकाएँ निभाने की उम्मीद है क्योंकि उन्होंने इसे मणिबाबू करणम के साथ लिखा है, जिन्होंने फिल्म के संवाद भी लिखे हैं। टीजी विश्व प्रसाद फिल्म का निर्माण कर रहे हैं,

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com